नगरीय विकास एवं आवास विभाग मध्यप्रदेश
स्वच्छ
हम

स्वच्छ हम

मध्यप्रदेश के शहरी क्षेत्रों की स्वच्छता में आए बदलावों पर आधारित नागरिकों के अपने स्वच्छता अनुभवों का संकलन

स्वच्छ भारत मिशन शहरी का प्रयास

डॉ मोहन यादव,
मुख्यमंत्री,
मध्यप्रदेश शासन

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री
मध्यप्रदेश

:: संदेश ::

आज से 10 वर्ष पूर्व लाल किले की प्राचीर से माननीय प्रधानमंत्रीजी ने विकसित भारत के साथ स्वच्छ भारत के निर्माण का जो संकल्प किया था, वह सच्चे अर्थों में फलीभूत हुआ है। स्वच्छता अब एक संस्कृति के रूप में उभरकर सामने आई है, जिसने संपूर्ण विश्व के समक्ष भारत की छवि को उज्ज्वल बनाया है। मध्यप्रदेश की धरती पर भी जनता के सहयोग से स्वच्छता के परिदृश्य में अमूलचूल बदलाव आया है। नागरिकों को व्यक्तिगत शौचालय, सार्वजनिक शौच सुविधाएं, अपशिष्ट के संग्रहण, प्रबंधन, उचित प्रसंस्करण एवं प्रभावी निपटान आदि प्रयासों से मध्यप्रदेश में स्वच्छता को जन आंदोलन के रूप में आत्मसात किया गया है। स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 के दौरान राज्य द्वारा सर्वोत्कृष्ट प्रयास किए गए हैं, जिनके परिणामस्वरूप मध्यप्रदेश को देश के दूसरे 'स्वच्छतम राज्य' का दर्जा प्राप्त हुआ है। हमारा इन्दौर शहर लगातार 07 वर्षों से देश का नम्बर वन स्वच्छतम शहर के स्थान पर बना हुआ है। राज्य के 06 नगरीय निकायों को विभिन्न श्रेणियों में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

मुझे प्रसन्नता है कि स्वच्छता परिदृश्य में हुए वास्तविक बदलावों पर आधारित 'स्वच्छ हम' शीर्षक से यह पुस्तिका तैयार की गई है। इस पुस्तिका में हमारे स्वच्छता ब्रांड एम्बेसेडर्स, स्वच्छता चैंपियंस, धार्मिक-आध्यात्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों, प्रतिष्ठित नागरिकों, शिक्षकों, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि के शहरी स्वच्छता के अनुभवों को समाहित किया गया है। इसी विश्वास के साथ कि यह पुस्तिका स्वच्छता के क्षेत्र में जनसहयोग से बड़ी सफलता हासिल करने के लिए प्रेरक बनेगी, इस विशिष्ट प्रकाशन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

भवदीय

(डॉ. मोहन यादव)

कैलाश विजयवर्गीय,
मंत्री, नगरीय विकास एवं आवास विभाग

संदेश

मध्यप्रदेश में माननीय प्रधानमंत्रीजी द्वारा प्रारंभ किया गया स्वच्छ भारत अभियान सही अर्थों में जन-आंदोलन बन चुका है। प्रदेश के नागरिकों द्वारा स्वच्छता को एक अच्छी आदत के रूप में आत्मसात किया गया है साथ ही उनकी सक्रिय सहभागिता के फलस्वरूप सम्पूर्ण शहरी स्वच्छता परिदृश्य में बदलाव आया है। प्रदेश के समस्त नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रयास किए गए हैं। मिशन अंतर्गत नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा नागरिकों को विभिन्न मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे नगरीय क्षेत्रों में सही मायने में स्वच्छता परिलक्षित हुई है।

स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 में मध्यप्रदेश को देश के दूसरे 'स्वच्छतम राज्य' का दर्जा प्राप्त हुआ है। इन्दौर लगातार 07 वर्षों से देश का नम्बर वन स्वच्छतम शहर के स्थान पर बरकरार है। राज्य के 06 नगरीय निकायों को विभिन्न श्रेणियों में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। साथ ही 07 निकाय वॉटर+, 361 निकाय ओडीएफ++, 03 निकाय ओडीएफ+, 07 निकाय ओडीएफ एवं कचरा मुक्त शहरों की श्रेणी में 132 निकायों को 01 स्टार, 23 निकायों को 03 स्टार, 01 निकाय को 05 स्टार एवं 01 निकाय को 07 स्टार प्रमाणीकरण प्राप्त हुआ है। हमें प्रदेश की इन उपलब्धियों पर गर्व है।

स्वच्छता परिदृश्य में हुए बदलावों पर आधारित स्वच्छ अनुभवों को समाहित कर 'स्वच्छ हम' विषय पर तैयार की गई पुस्तिका से हमारे अन्य युवाओं व नागरिकों को प्रेरणा मिलेगी।

आशा है कि नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता हेतु किए जा रहे प्रयासों से आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में निश्चित ही राज्य एवं नगरीय निकायों की रैंकिंग में सुधार होगा। विभाग को इस पुस्तक के प्रकाशन हेतु शुभकामनाएं।

कैलाश विजयवर्गीय
मंत्री
नगरीय विकास एवं आवास विभाग

श्रीमति प्रतिमा बागरी,
राज्य मंत्री, नगरीय विकास
एवं आवास विभाग

संदेश

माननीय प्रधानमंत्रीजी के नेतृत्व में प्रारंभ किए गए स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के शुरूआत से ही मध्यप्रदेश में नागरिकों द्वारा स्वच्छता को एक जन-आंदोलन के रूप में अपनाया गया है। प्रदेश के नगरीय निकायों में स्वच्छता की दिशा में निरंतर उत्कृष्ट कार्य किए जा रहे हैं। समस्त नगरीय क्षेत्रों में विशिष्ट स्वच्छता सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। नगरीय क्षेत्रों में निकाय के अधिकारियों/कर्मचारियों, सफाईमित्रों के प्रयासों के साथ रहवासी संघों, बाजार संघों, स्व-सहायता समूहों, गैर सरकारी संगठनों आदि के सहयोग एवं स्वच्छता ब्रांड एम्बेसेडर, स्वच्छता चैंपियंस एवं स्वच्छता से जुड़े जागरूक युवाओं व नागरिकों की सक्रिय सहभागिता से स्वच्छता परिदृश्य में आधारभूत बदलाव आया है। स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 के परिणामों में राष्ट्रीय स्वच्छता परिदृश्य में श्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु मध्यप्रदेश एवं नगरीय निकायों के प्रयास अभूतपूर्व रहे हैं, जिनके कारण ही यह सम्मान प्रदेश को प्राप्त हुआ है। यह समस्त प्रदेशवासियों के लिए गौरव का विषय है।

स्वच्छता बिना नागरिकों की सक्रिय सहभागिता के संभव नहीं है, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत यह निरंतर प्रयास किया जा रहा है, कि नागरिक अपनी जिम्मेदार भूमिका को समझें एवं गतिविधियों में भाग लें। इसी प्रकार के नागरिक अनुभवों का दस्तावेज 'स्वच्छ हम' है, यह हमारे नागरिकों और भावी स्वच्छता चैंपियंस को प्रेरणा देने में सफल होगी। मैं आशा करती हूं हमारे स्वच्छता प्रहरियों द्वारा किए जा रहे अथक प्रयासों से आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में निश्चित ही मध्यप्रदेश को सर्वोच्च स्थान प्राप्त होगा। सभी को बहुत शुभकामनाएं।

प्रतिमा बागरी
राज्य मंत्री, मध्यप्रदेश शासन
नगरीय विकास एवं आवास विभाग

नीरज मंडलोई
प्रमुख सचिव

संदेश

नागरिकों की सक्रिय सहभागिता से राज्य के शहरी क्षेत्रों के स्वच्छता परिदृश्य में बदलाव आया है। राज्य के सभी नगरीय क्षेत्रों में नागरिकों को स्वच्छता संबंधी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा निकायों को विभिन्न घटकों के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रावधानित अनुदान राशि उपलब्ध कराई जा रही है।

हमने पिछले वर्षों में जहां एक ओर नगरीय निकायों में स्वच्छता अधो संरचनाओं के निर्माण के साथ कचरा प्रसंस्करण हेतु विभिन्न मॉडल विकसित किए हैं। हमने सूखे कचरे के लिए एमआरएफ़ और गीले कचरे के लिए कंपोस्टिंग को अपनाया है। इंदौर के गोबर्धन बायो सीएसएनजी इकाई की तर्ज पर प्रदेश में 07 इकाइयों को स्थापना करने की दिशा में हमने कदम बढ़ा दिया है। हम अगले 05 सालों में प्रदेश के नगरीय निकायों को कचरा मुक्त बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 में राज्य एवं निकायों के सर्वोत्कृष्ट प्रयासों से 06 नगरीय निकायों को विभिन्न श्रेणियों में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। समग्र स्वच्छता परिवेश में बदलाव हेतु निकाय स्तर पर विभिन्न जागरूकता अभियानों का संचालन निरंतर किया जा रहा है। जिनमें नागरिकों द्वारा सक्रिय सहभागिता की जा रही है। जागरूक नागरिकों के स्वच्छ अनुभवों को समाहित कर 'स्वच्छ हम' तैयार की गई पुस्तिका हमारे अन्य युवाओं व नागरिकों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। यह पुस्तक स्वच्छता के क्षेत्र में सहभागिता हेतु अन्य नागरिकों व युवाओं को प्रेरित करेगी।

नीरज मंडलोई
प्रमुख सचिव,
नगरीय विकास एवं आवास विभाग

भरत यादव,
आयुक्त सह सचिव
नगरीय प्रशासन एवं आवास

संदेश

स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत विभिन्न जन-जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों के स्वच्छता परिदृश्य में बदलाव आया है। निकायों के अधिकारियों, कर्मचारियों, स्वच्छता कर्मियों, सफाईमित्रों के सहयोग से विभिन्न स्वच्छता अभियानों /गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया है, जिससे नगरीय क्षेत्रों के स्वच्छता परिदृश्य में काफी बदलाव आया है।

संचालनालय स्तर से विभिन्न व्यवहार परिवर्तन एवं क्षमतावर्धन गतिविधियों जैसे स्वच्छता की पाठशाला, प्रातःकालीन स्वच्छता संवाद आदि के माध्यम से जमीनी अमले के साथ रहवासी संघों, बाजार संघों, स्व-सहायता समूहों, जागरूक नागरिकों को स्वच्छता के महत्व से अवगत कराया गया है। नागरिकों द्वारा स्वच्छता को अपने व्यवहार में अपनाया गया है। राज्य के नगरीय निकायों को शासन स्तर से समस्त आवश्यक सुविधाएं और सहयोग निरंतर उपलब्ध कराया जा रहा है।

स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 में राज्य एवं निकायों द्वारा किए गए प्रयासों के फलस्वरूप 06 नगरीय निकायों को विभिन्न श्रेणियों में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। लगातार 7 वर्षों से इन्दौर देश का स्वच्छतम शहर बना हुआ है, साथ ही 07 निकाय वाटर+, 361 निकाय ओडीएफ++, 03 निकाय ओडीएफ+, 07 निकाय ओडीएफ एवं कचरा मुक्त शहरों की श्रेणी में 132 निकायों को 01 स्टार, 23 निकायों को 03 स्टार, 01 निकाय को 05 स्टार एवं 01 निकाय को 07 स्टार प्रमाणीकरण प्राप्त हुआ है। राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से जागरूक नागरिकों के स्वच्छ अनुभवों को ‘स्वच्छ हम’ पुस्तिका में शामिल किया गया है। आषा है यह पुस्तिका नागरिकों को स्वच्छता में सहभागिता हेतु प्रेरणा देगी।

भरत यादव
आयुक्त सह सचिव
नगरीय प्रशासन एवं विकास

अनुक्रमणिका

क्र.	व्यक्ति नाम	पद/पहचान	स्वच्छता अनुभव	पृ. क्र.
01	सतेन्द्र सिंह लोहिया	पद्म श्री (खेल)	स्वयं के अनुभव	03
02	मीना जैन	शासकीय शिक्षिका	स्वयं के अनुभ	04
03	माधुरी मोयदे	समाजसेवी	व्यक्ति विशेष	05
04	इन्दरप्रीत कौर एवं शुरभि खरे	हेल्थ केयर	स्वयं के अनुभव	06
05	आशुतोष माणके	ब्रांड एम्बेसेडर	स्वयं के अनुभव	07
06	डॉ. प्रवीण जोशी	जिला समन्वयक	सामूहिक अनुभव	08
07	यूनुसुद्दीन कुरैशी	स्वास्थ्य अधिकारी	नगर पालिका टीम	09
08	प्रेम शंकर शुक्ला	रहवासी	स्वयं व सामूहिक	10
09	रोहित यादव	रहवासी	स्वयं के अनुभव	11
10	आँचल रावल	छात्रा	कहानी	12
11	अंकित शर्मा	रहवासी	सामूहिक	13
12	आशीष शुक्ला	प्रतिनिधि	सामूहिक	14
13	मुकुन्द तिवारी	रहवासी	सामूहिक	15
14	सेव्या नागर	छात्रा	स्वयं के अनुभव	16
15	रोहित यादव एवं हेमलता सिंह	रहवासी	सामूहिक	17
16	निधि कुशवाहा	छात्रा	स्वच्छ भारत मिशन	18
17	आयुष कुशवाहा	छात्र	स्वच्छ भारत मिशन	19
18	प्रमोद सिंह एवं अनिरूद्ध धाकड़	वार्ड दरोगा छात्र	स्वयं के अनुभव	20
19	संजय बाल्मीकी मनीष नामदेव	वार्ड दरोगा वार्ड पार्षद	स्वयं के अनुभव	21
20	तमन्ना चौधरी	छात्रा	स्वयं के अनुभव	22
21	अनुष्का श्रीवास	छात्रा	स्वयं के अनुभव	23
22	करण सिंह राजपूत	छात्र	स्वयं के अनुभव	24
23	बहादुर निषाद सुजीत पटेल	छात्र	स्वयं के अनुभव	25
24	सुमित साहू	छात्र	स्वयं के अनुभव	26
25	अंकित राय	छात्र	स्वयं के अनुभव	27
26	विकास साहू	छात्र	स्वयं के अनुभव	28
27	श्रीकांत सोनी	छात्र	स्वयं के अनुभव	29
28	पवन अहिरवार युवान वर्मा	छात्र	स्वयं के अनुभव	30
29	नीलेश परिहार	रहवासी	स्वयं के अनुभव	31
30	शिवानंद तिवारी	रहवासी	स्वयं के अनुभव	32
31	गुरूप्रसाद बर्मन	रहवासी	स्वयं के अनुभव	33
32	हर्षित बर्मन	रहवासी	स्वयं के अनुभव	34
33	सौरभ गर्ग	रहवासी	स्वयं के अनुभव	35
34	आदर्श जैसवाल	रहवासी	स्वयं के अनुभव	36
35	अमर पटेल एवं कृष्णा कुमार पाण्डे	रहवासी	स्वयं के अनुभव	37
36	हिमांशु चतुर्वेदी	रहवासी	स्वयं के अनुभव	38
37	गोविन्द पटेल	रहवासी	स्वयं के अनुभव	39
38	मनीष सिंह	रहवासी	स्वयं के अनुभव	40
39	शशि शाह एवं नरोत्तम बैन	स्वच्छता कर्मी एवं टीम सदस्य	स्वयं के अनुभव	41
40	ओम प्रकाश काचर एवं अमृत सिंह	छात्र	स्वयं के अनुभव	42
41	अवनी गोयल	छात्रा	स्वयं के अनुभव	43
42	सपना रजक	छात्रा	स्वच्छता पर निबंध	44

क्र.	व्यक्ति नाम	पद/पहचान	स्वच्छता अनुभव	पृ. क्र.
43	इकरा हसन	छात्रा	स्वयं के अनुभव	45
44	रणवीर सिंह	छात्र	स्वयं के अनुभव	46
45	श्रद्धा तिवारी	छात्रा	स्वच्छता पर निबंध	47
46	भाव्या तिवारी	छात्रा	स्वयं के अनुभव	48
47	संस्कृति तिवारी	छात्रा	स्वयं के अनुभव	49
48	अंशिका गर्ग	छात्रा	स्वयं के अनुभव	50
49	तेजस्वी गौतम	छात्रा	स्वयं के अनुभव	51
50	यशोदा देवी राजू वर्मा	रहवासी	स्वयं के अनुभव	52
51	कुलजीत सिंह	महासचिव, गुरूद्वारा	बदलाव के गाथा	53
52	अमित राव पवार	रहवासी	स्वयं के अनुभव	54
53	धर्मेन्द्र पटेल सोनम सूर्यवंशी	स्वच्छता कर्मी स्वच्छता चैंपियन	स्वच्छता में योगदान	55
54	ज्योति सिंह मार्को	छात्रा	स्वयं के अनुभव	56
55	वंशिका अग्रवाल	छात्र	सफलता की कहानियां	57
56	पंकज परिहार	स्वच्छता चैंपियन	स्वच्छता में योगदान	58
57	स्नेहा राजपूत	छात्रा	स्वच्छता पर निबंध	59
58	दुर्गा साहू	छात्रा	स्वयं के अनुभव	60
59	वंशिका वशिष्ठ आशवी जैन	छात्र	स्वच्छता गीत, दोहे	61
60	विवेक जगताप	रहवासी	स्वच्छता गीत	62
61	हदिया	छात्रा	स्वच्छता गीत	63
62	स्त्रोतोष्णी रॉय	छात्रा	स्वच्छता पर कविता	64
63	जाकिर हुसैन	स्वच्छता ब्रांड एंबेसेडर	स्वच्छता गीत/कविता	65
64	सेव्या नागर	छात्रा	स्वच्छता जिंगल	66
65	आकाश गुप्ता	निकाय कर्मी	स्वच्छता दोहे	67
66	न्यासा भाटिया	छात्रा	स्वच्छता गीत	68
67	अमित कुमार सिंह	सलाहकार	स्वच्छता पर कविता	69
68	अशोक पांडे	रहवासी	स्वच्छता गीत	70
69	प्रियांशी सोनी	छात्रा	स्वच्छता गीत	71
70	देवेन्द्र भदोरिया	लेखक	स्वच्छता गीत	72
71	सतीश चंद शाह	रहवासी	स्वच्छता सिंगल	73
72	आशीष जैन	छात्र	स्वच्छता कविताएं	74
73	अनन्या तिवारी प्राची गुप्ता	छात्रा	स्वच्छता पर कविता	75
74	देवांश डोभाल	रहवासी	स्वच्छता कविता	76
75	सतेन्द्र तिवारी	रहवासी	स्वच्छता पर कविता	77
76	प्रभात कोरी एवं मयंक विश्वकर्मा	छात्र	स्वच्छता पर नारे एवं कविता	78
77	अनामिका त्रिपाठी	छात्रा	स्वच्छता पर कविता/दोहे	79
78	प्रांजल कुशवाहा	छात्रा	स्वच्छता पर कविता	80
79	माधवी अमूले एवं दीक्षा गुप्ता	छात्रा	स्वच्छता अनुभव/ कविता/दोहे	81
80	केशव कोरी	छात्र	स्वच्छता/पर्यावरण पर कविता	82
81	आराध्य तिवारी	छात्र	स्वच्छता कविता	83
82	पार्थ सोनी सोनाली साहू	छात्र छात्रा	स्वच्छता पर कविता	84
83	रितेश तिवारी	समाज सेवी	स्वच्छता के अनुभव	85
84	प्रभात सिंह	स्वच्छता चैंपियन	स्वच्छता के अनुभव	86
85	परमिंदर सिंह	सोशल मीडिया विशेषज्ञ	स्वच्छता के अनुभव	87

1*

पद्म श्री सतेन्द्र सिंह लोहिया

स्वच्छता को एक अच्छी आदत के रूप में अपने जीवन में शामिल किया जाए तो यह हम सभी के लिए प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से बहुत ही लाभदायक सिद्ध होगा। स्वच्छता का प्रभाव हमारे दैनिक कार्यों के दौरान देखने को मिलेगा और हम इसे महसूस भी कर सकेंगे। मेरे अपने जीवन में जो भी देश विदेश के अनुभव रहें हैं, उनमें मैंने यह पाया कि स्वच्छता को हमें अपने रोजमर्रा के कार्यों के दौरान एक आदत के रूप में विकसित करना होगा, क्योंकि जब तक हम अपने घर व आसपास के परिवेश को साफ नहीं रखेगें तब तक स्वच्छता को नहीं अपना पाएंगे।

विभिन्न देश विदेश में तैराकी के दौरान मैंने यह देखा है कि समुद्र, नदी या जहां-जहां भी प्रकृति है हम लोगों ने प्राकृतिक धरोहरों का दोहन किया है। इसलिए जब भी मैं और मेरे साथी कहीं जाते हैं तो इस बात का खास ख्याल रखते हैं कि हमारे द्वारा किसी प्रकार का कचरा न किया जाए और अन्य नागरिकों को भी इस संबंध में जागरूक करते हैं। जैसे हमें अपनी पानी की बोतल हमेशा अपने साथ रखना चाहिए, जिससे प्लास्टिक वाली पानी की बोतल के उपयोग को कम किया जा सकता है। इस आदत को हम सब ने अपने जीवन में अपनाया है और आशा है आप भी इसी प्रकार छोटी छोटी स्वच्छता की आदत को अपने आचरण में शामिल करेंगे।

जय हिन्द!

#ParaSwimmer श्री सतेंद्र सिंह लोहिया, तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता, 2018 में इंग्लिश चैनल को पार किया

2 स्वच्छता अनुभव

श्रीमति मीना जैन : शासकीय शिक्षिका, भोपाल

मै एक शासकीय शिक्षिका हूँ, वर्तमान में अकबरपुर, कोलार रोड के शासकीय प्राथमिक शाला में कार्यरत हूँ। स्वच्छता एक महत्वपूर्ण विषय ही नहीं एक प्रक्रिया भी है आप जहां जिस अवस्था में है स्वच्छता बनाए रखना अपने आप में एक मनुष्य का कर्तव्य भी है। एक शिक्षिका होने के नाते मैं अपने अनुभव साझा करना चाहूँगी। वैसे तो स्कूल में बच्चों को स्वच्छता विषय संवेदनशीलता से पढ़ाया जा रहा है लेकिन यह इतना काफी नहीं है इसलिए मैंने एक अनोखा प्रयोग किया ताकि स्वच्छता एक विषय बनकर न रह जाए। मैंने बच्चों को एक प्लास्टिक बॉटल जैसे कि कोल्डड्रिंक, पानी, तेल आदि जो भी घर पर उपलब्ध हो स्कूल लेकर आयें और रोजमर्रा खान पान से निकलने वाले प्लास्टिक कचरे को उसमें जमा करें।

यह एक प्रकार की व्यवहार परिवर्तन किए जाना वाला अभ्यास था जिसमे बच्चों ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया और एक महीने के अंदर लगभग 70 से ज्यादा बोतल एकत्रित हो गई। अब इस पर सभी बच्चों से चर्चा की गयी कि इस का क्या होगा; या तो यह कचरा सालों साल पड़ा रहेगा या रिसायकल किया जाएगा। प्लास्टिक जितनी बार रिसायकल किया जाता है वह उतना ही घातक होता जाता है जो कि हमारे पर्यावरण के लिए बेहद नुकसानदायक है। इस विषय पर गंभीरता से विचार करने पर ये निष्कर्ष निकला कि जितना हो सके हमे कम से कम प्लास्टिक का उपयोग करना है यही एक मात्र विकल्प है। यह प्रयास बच्चों एवं बच्चों के द्वारा उनके घर पर व्यवहार परिवर्तन लाने का एक माध्यम था जिसमे लगभग 125 बच्चों ने भाग लिया। अब इस विषय को मैं गली के बच्चों, और अलग अलग सोसायटी के बच्चों के साथ प्रयास कर रही हूँ और आशा है आने वाली पीढ़ी एक नया सवेरा लेकर आएगी।

3 स्वच्छता चैंपियन की कहानी

माधुरी मोयदे , विजय सोशल वेलफेयर सोसाइटी इंदौर

इंदौर की माधुरी मोयदे स्वच्छता मित्र के रूप में अपना पहचान बना चुकी हैं। देश के स्वच्छ शहर इंदौर में माधुरी ने महिलाओं में सैनिटरी पैड के डिस्पोजल उसके निस्तारण पर 500 से अधिक सेशन लिए गए। उपयोग किए गए सैनिटरी पैड को सुरक्षित ढंग से निस्तारित करने के बारे में महिलाओं और बालिकाओं को सिखाया गया। करीब 10000 से ज्यादा सरकारी स्कूलों और गरीब बस्तियों की महिलाओं और बालिकाओं को प्रशिक्षित किया गया। इसके अलावा शहर में घूमने वाली कचरे की गाड़ियों में उपस्थित विशेष पीले कलर के डिब्बे का उपयोग और उसमें सैनिटरी पैड और डायपर डालने के लिए प्रतिज्ञा ली गई।

स्वच्छता में यह योगदान बहुत ही अनुकरणीय है क्योंकि सेनेटरी पैड उपयोग के बाद बेकार होने के साथ-साथ हानिकारक भी है यह सिंथेटिक सैनिटरी पैड के कारण होता है इसका उपयोग कम करने के लिए बायोडिग्रेडेबल सेनेटरी पैड और कपड़े का उपयोग करने की भी समझाइए दी जाती है। कपड़े को किस तरह से धोना, सुखाना और उसको उपयोग करना है, इस बारे में भी जानकारी दी जाती है। पर्यावरण को अधिकतर नुकसान ज्यादा वेस्ट होने के कारण होता है उस वेस्ट को कैसे डिस्पोज और कम किया जाए इस पर शहर में कई कार्यशालाएं आयोजित की गई। प्लास्टिक से होने वाले दुष्प्रभावों का वर्णन कर प्रतिज्ञा ली गई कि कपड़े के थैलियां को उपयोग में लाया जाएगा इनके द्वारा 5000 से अधिक कपड़े की थैलियां निःशुल्क बांटी गई।

प्लास्टिक की बोतल को एक इकोब्रिक में बदलकर उसको आकार देना ताकि वह वेस्ट कचरे में न जाए इसकी भी कार्यशालाएं आयोजित की जाती है। इतना ही नहीं हर साल करीबन 5 से 7 कार्यशालाएं माटी के गणेश की आयोजित की जाती है ताकि प्लास्टर ऑफ पेरिस का उपयोग कम से कम हो और लोग नदियों और जल को प्रदूषित ना करें इसके अलावा इको विसर्जन के लिए इन्हें नगर निगम द्वारा सम्मानित किया गया है ताकि आर्टिफिशियल पानी के टैंक बनाकर उसमें मूर्तियो का विसर्जन किया जा सके। जल स्रोतों के समीप पौधा रोपण भी किया गया जिससे इकोसिस्टम को बचाया जा सके। माधुरी मोयदे न केवल एक शिक्षाविद्, समाजसेवी और लेखक हैं बल्कि पर्यावरण की संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। स्वच्छ भारत, स्वस्थ्य भारत मिशन को आगे बढ़ाने में माधुरी का योगदान उल्लेखनीय है।

4 मेरे अपने स्वच्छता अनुभव

इन्दरप्रीत कौर, भोपाल

मैं **शासकीय नर्सिंग ऑफिसर, गांधी मेडिकल कॉलेज**, भोपाल में पदस्थ हूँ। स्वास्थ्य सेवाएं और स्वच्छता को मैं अलग विषय नहीं मानती हूँ क्योंकि यह एक दूसरे के पूरक हैं। यदि कचरे को सही ढंग से निष्पादित किया जाए तो संक्रमण से होने वाली बीमारियों को फैलने से रोक जा सकता है और इस प्रयास में हमीदिया अस्पताल सफल भी रहा है। जैसे कि प्रतिदिन जो भी कचरा निकल रहा है उसको 4 से 5 भागों में अलग-अलग कूड़ेदानों में डालकर पूर्णतः निपटान होने के लिए भेज दिया जाता है। इसके बाद भी कई बार जो स्वच्छता से संबंधित विषय उभर कर आता है वह यह है कि किस प्रकार से अस्पताल परिसर, शौचालय व आसपास के परिवेश आदि को साफ रखा जाए जिससे पड़ोसी क्षेत्रों में इन्फेक्शन न फैल सके। यह तभी संभव होगा जब हम सब इसको अपना दायित्व मानकर स्वच्छता को एक आदत के रूप में अपनाएंगे। इसकी शुरुआत घर से निकलने वाले कचरे को अलग-अलग करके देने से ही होगी जिससे निश्चित ही भविष्य में आने वाली चुनौतिया से निपटा जा सकता है।

डॉ सुरभि श्रीवास्तव, भोपाल

मैनेजर, आयुष्मान विभाग, अपोलो सेज हॉस्पिटल भोपाल

भोपाल शहर में पिछले 5 वर्षों में कई ऐंसे कार्य हुए हैं, जिनकी हमने कल्पना भी नहीं की थी। शहर को मेट्रो की सौगात मिली है, वर्तमान में भोपाल मेट्रो का कार्य काफी तेज गति से चल रहा है, जो शहरवासियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इसलिए हम सभी नागरिकों को मिलकर अपने शहर की स्वच्छता हेतु कार्य करना होगा। जैसा कि हम अपने अस्पताल में मेडिकल अपशिष्ट को 5 अलग अलग भागों में करते हैं। इसके साथ ही मरीजों को दिए जाने वाले खान-पान में रियूजेबल थाली का उपयोग किया जाता है एवं प्रत्येक मरीज को उनके आहार के अनुरूप थाली दी जाती है जिससे कम से कम या शून्य मात्रा में आहार फेंकने में आता है और कम्पोस्ट हेतु भेज दिया जाता है। मेरे घर पर भी भोजन को इसी प्रकार से मैनेज किया जाता है, सभी को उनकी आहार मात्रा के अनुरूप ही भोजन बनाया एवं परोसा जाता है। मेरी आप सभी से अपील भी है कि आप भी स्वच्छता की आदत को अपनाएं।

5 मेरे अनुभव

आशुतोष माणके - स्वच्छता ब्रांड एम्बेसेडर कटनी

मेरा नाम आशुतोष माणके है, मेरी आयु 14 वर्ष है। मैं कटनी में स्वच्छता ब्रांड एम्बेसेडर बनाया गया हूं। संभवतः देश के युवा स्वच्छता ब्रांड एम्बेसेडर में से एक हूं। यह ख्याति मुझे मिली मेरे नेतृत्व में विद्यालयों में संचालित 'स्वच्छता की पाठशाला' से। इसे एक अभियान की तरह संचालित कर रहा हूं। स्वच्छता के प्रति अपनी बातचीत से लोगों को ना केवल मोटिवेट करता हूं बल्कि कचरा संग्रहण के लिए अलग-अलग डस्टबीन के बारे में जानकारी देता हूँ। अब तक मैंने कटनी के 3000 युवाओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया है और यह क्रम लगातार आगे बढ़ रहा है।

नगर निगम द्वारा रोज घरों से कचरा एकत्र किया जाता है, मैं इन कचरा संग्रहण वाहनों के साथ वार्डों में जाता हूं और लोगों को जागरूक करता हूं कि किस डस्टबीन में कौन सा कचरा डालना है। जिन घरों से कचरा अलग-अलग नहीं दिया जा रहा है, उस कचरे को मैं खुद पूरी सुरक्षा के साथ स्वयं अलग-अलग भी करता हूं। स्वच्छता के नवाचारों से अवगत कराने हेतु सोशल मीडिया के लिए वीडियो भी बनाता हूं। मेरे होम कंपोस्टिंग की विधि वाले वीडियो को स्वच्छ भारत मिशन शहरी ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट्स पर भी शेयर किया है। मेरे सिंगल यूज प्लास्टिक के रोकथाम वाले नवाचार के वीडियो को एसबीएम-शहरी म.प्र. के द्वारा पब्लिक एप पर अपलोड किया गया जिसे करीब 4 लाख बार देखा गया।

मैं ना सिर्फ लोगों को जागरूक कर रहा हूं बल्कि एक ब्रिज का कार्य करते हुए आमजन की शिकायत निगम तक भी पहुंचा रहा हूं। मैं समय मिलने पर अलग अलग शौचालय, एमएसडब्ल्यू प्लांट एवं अन्य क्षेत्रों की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण भी करता हूं। अब मैंने स्वच्छता को न सिर्फ एक दायित्व समझा है बल्कि मैंने इसे अपने जीवन का लक्ष्य भी बना लिया है। आप भी मेरे साथ जुड़िये और स्वच्छ भारत के सपनों को साकार कीजिए।

6 मेरा प्रयास, स्वच्छता घर के आसपास

डॉ. प्रवीण जोशी, जिला समन्वयक,

उज्जैन, राज्य आनंद संस्थान, आनंद विभाग मध्यप्रदेश शासन

रोजाना स्वास्थ्य के आने वाले जोखिमों से हम अवगत हैं, इसी के कारण हमारे आसपास की स्वच्छता को हमारे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा बना दिया है। हम पहले से अधिक जागरूक और जिम्मेदार बने हैं, अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता को लेकर। इसकी प्रेरणा हमने हमारे उज्जैन की नगर पालिक निगम टीम से पाई है।

स्वच्छता की शुरुआत मैंने अपने घर के आस-पास सफाई अभियान से की। प्रति रविवार सुबह 8 से 9 के बीच शुरुआत में घर की साफ सफाई करता हूं फिर घर के आस-पास ही के पास ही छोटी नाली की सफाई ताकि पानी सही तरीके से निकल सके। छोटी नाली की सफाई इसलिए जरूरी है क्योंकि घर के पास हेंडपंप लगा हुआ है, जिसके कारण वहां हमेशा पानी और मच्छर की आशंका बनी रहती है। यह तो हुआ घर के आसपास का प्रयास, घर से थोड़ी दूरी पर पुरुषोत्तम सागर है, वहां भी सफाई अभियान हम लोग दोस्तों के साथ करते रहते हैं। पुरुषोत्तम सागर का धार्मिक महत्व अधिक मास में और भी बढ़ जाता है तो हमारी जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है।

स्वच्छता के लिए संकल्प के साथ कुछ जरुरी बातें, मेरी स्वच्छता, मेरा प्रयास..

- ☐ हमेशा अपने घर को साफ रखें।
- ☐ अपने शौचालय और किचन को रोगाणुमुक्त रखें।
- ☐ पास के रिहायशी इलाकों में अपशिष्ट निपटान न करें
- ☐ कभी सार्वजनिक स्थानों पर न थूकें न पेशाब करें।

अपशिष्ट का निपटान तुरंत करें, अगर अपशिष्ट पदार्थ ठीक से संभाला नहीं गया तो यह निमोनिया, पीलिया, और तपेदिक जैसी घातक बीमारियों का प्रकोप बढ़ा सकता है। इतिहास गवाह है कि महामारी का सबसे बड़ा कारण अनुचित अपशिष्ट निपटान रहा है। हम छोटे-छोटे प्रयासों से अच्छ तरीके से हमारे आसपास का माहौल स्वच्छ बनाए रख सकते हैं। यह छोटे छोटे प्रयास मन को सुकून देते हैं आनंद देते हैं।

7

’बदलाव की गाथा’

यूनुसुद्दीन कुरैशी, रिटायर्ड स्वास्थ्य अधिकारी, 10 स्टेशन रोड बड़वानी

मैं निमाड़ जिले की बड़वानी नगर पालिका में वर्ष 2013 से 2019 तक स्वास्थ्य अधिकारी रहा। उस समय कचरा संग्रहण का कार्य मात्र दो टाटा मैजिक से होता था। शहर में 15 से 20 स्थान पर कचरा संग्रहण स्थल थे। जहां से कचरा समय पर नहीं उठ पाता था। मवेशियों का जमघट अलग। गंदगी का यह आलम की लोग नाक बंद करके निकलते। विडंबना यह भी थी कि ट्रेंचिंग ग्राउंड भी शहर के मध्य होकर आसपास भगवान नगर, कैलाश नगर तथा पुलिस लाइन हेलीपैड तक कचरा एवं पॉलीथिन उड़ता रहता। ट्रेंचिंग ग्राउंड को वहां से हटाने की कवायद की गई, परंतु स्वच्छ भारत मिशन एवं स्वच्छता सर्वेक्षण के प्रति स्पर्धा ने एक नया जोश भरा।

तत्कालीन सीएमओ श्री कुशल सिंह डोडवे ने बड़वानी की तस्वीर बदलने की ठानी। नगरपालिका के समस्त कर्मचारियों, पार्षदगणों तथा पदाधिकारियों की बैठक में कार्य योजना तैयार हुई जिसका क्रियान्वयन तथा मॉनिटरिंग तत्काल प्रारंभ किया गया। एक वर्ष के अंतराल में ट्रेंचिंग ग्राउंड पर स्वच्छ भारत मिशन की गाइडलाइन अनुसार सारे उपकरण मशीनें लगाकर कार्य प्रारंभ करवाया। ट्रेंचिंग ग्राउंड पर कंपोस्ट खाद के लेबल लगे 25-25 किलोग्राम के पैकेट बनने लगे सूखे कचरे की छटनी होकर पॉलीथिन से पेवर ब्लॉक बने। फ़ीकल स्लज का उपचार होने लगा।

श्री डोडवे द्वारा प्रातः 6.00 बजे से निरंतर मॉनिटरिंग की जाती रही जो रात 10 बजे तक 10 से 15 लोगों की एक टीम रहती। बस स्टैंड पर किसी भी समय कचरा या फल फ्रूट के छिलके कागज पन्नी दिखाई नहीं देती स्पाट फाइन के लिए कर्मचारी हमेशा मौजूद रहते। चैराहों पर स्मारकों का रंग रोगन दीवारों पर स्वच्छता के स्लोगन डिवाइडरो पर लाइटिंग तथा सुंदर पौधे लगाने के साथ-साथ स्कूलों में श्री डोडवे जी स्वयं टीम के साथ जाकर स्वच्छता संवाद करते बच्चों में चित्रकारिता एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजित करवाया, जिससे स्वच्छता के प्रति बच्चों में जागृति आई जो परिवार और समाज के हर तबके तक पहुंची। चैराहों पर शपथ ग्रहण तथा पेम्प्लेट के माध्यम से स्वच्छता का अलख जगाया स्वयं ने दीवारों पर पेंटिंग की जिससे आम आदमी में स्वच्छता के प्रति रुचि पैदा हो।

आज बड़वानी स्वच्छता के क्षेत्र में अच्छे स्वच्छ शहरों में अपना स्थान रखती है। यही वजह है कि सीएम हेल्पलाइन में बड़वानी मध्य प्रदेश में अपना प्रथम पायदान बना रही है।

8

गौरव गाथा

प्रेम शंकर शुक्ला, गोल कार्टर, पीएम आवास

मेरा नाम प्रेम शंकर शुक्ला है मैं वार्ड क्रमांक **44** गोल कार्टर पीएम आवास का रहवासी हूं। आज से **2** साल पहले मुझे पीएम आवास का मकान स्वीकृत हुआ। जब मैं यहां पर आया तो देखा कि लोग अपने घरों से निकलने वाले कचरे को खाली जगह पर फेंक रहे हैं जिसे पूरा पीएम आवास में गंदगी फैली हुई थी यहां पर कचरा गाड़ी की भी व्यवस्था नहीं थी। लोगों को बोला गया की कॉलोनी में कचरा ना फेकें। लेकिन लोगों का कहना था कि नगर निगम द्वारा कचरा कलेक्शन की व्यवस्था नहीं की गई है तो हम कचरा कहां पर फेंके।

इसके लिए सबसे पहले हम नगर निगम से बात करके कचरा गाड़ी की व्यवस्था की। फिर लोगों को समझाया कि आप लोग सभी अपने घरों का कचरा, कचरा गाड़ी में ही डालें। फिर भी लोग नहीं समझ रहे थे हम लोग उनको रोकने के लिए सुबह **6** बजे से 10 बजे तक जहां लोग कचरा डालते थे वहां पर बैठते थे और कचरा डालने वालों को रोकते थे। धीरे-धीरे लोग अपने घरों का कचरा, कचरा गाड़ी में डालने लगे और हमारा पीएम आवास आज स्वच्छ हो गया।

नगर निगम से हमारे आवास में पेंटिंग जहां स्ट्रीट लाइट नहीं थी, वहां लाइट की व्यवस्था करके पूरे आवास को रोशनी से भर दिया आज हम नगर निगम के जागरूकता की वजह से अपने घरों से निकलने वाले गीले कचरे से खाद बनाकर अपने पार्क के पेड़ पौधे में डालते हैं, जो हमारे आवास को और सुंदर बनाता है। मैं नगर निगम का धन्यवाद करना चाहता हूं कि उन्होंने इस प्रयास में सहभागिता बने आज हमारा वार्ड स्वच्छ है।

9

'मेरे अनुभव'

रोहित यादव, उज्जैन, मध्यप्रदेश

स्वच्छ भारत मिशन 2014 से जब आरंभ हुआ तब से मैं स्वच्छता अभियान से जुड़ गया। अपने इस स्वच्छता मिशन में अनेक लोगों को जोड़ा और उनका मन बदला। उन्हें बताया कि स्वच्छ भारत से, स्वस्थ्य भारत का निर्माण होगा।

मेरा अनुभव कहता है कि अच्छा सोचो तो अच्छा होता है। मैंने नागरिकों से अनुरोध किया कि अपने घर से निकलने वाले कचरे को इधर-उधर सड़कों, नालियों में ना फेंके, कचरा, कचरा गाड़ी में ही दो भागों में गीला-सूखा अलग-अलग कर डालें, जिससे गीले कचरे से जैविक खाद तथा सूखे कचरे को रिसाइकल कर नई चीज बनाई जा सके और कचरे का सही तरीके से निष्पादन किया जा सके। जिससे आपके आसपास गंदगी न हो और स्वच्छता बनी रहे तथा मच्छरों और गंदगी से होने वाली बीमारियों से बचा जा सके और आप कहीं भी जाए तो कचरा डस्टबिन में ही डालें तथा अपने आसपास स्वच्छता का ध्यान रखें।

1 जुलाई 2022 से बैन हुए सिंगल यूज़ प्लास्टिक व अमानक पॉलीथिन का उपयोग न करने तथा पॉलिथीन के स्थान पर कागज या कपड़े की थैली का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जिससे पॉलीथिन से होने वाले दुष्परिणामों से अपने आप को और पर्यावरण को बचाया जा सके तथा श्रमदान और अनेक गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता के प्रति नागरिकों को जागरूक किया।

मैं चाहता हूं कि आप भी मेरे साथ जुड़िये और स्वच्छ भारत के सपनों को साकार कीजिए।

10

नन्हे बालक की सीख

आँचल रावल (स्टूडेंट), बड़ावदा जिला-रतलाम (म.प्र.)

रतलाम जिले के बड़वादा में रहने वाले आँचल रावल को अपने शिक्षक की बात कंठस्थ थी। शिक्षक ने बताया था कि स्वच्छता कैसे रखना चाहिए और दूसरों को भी इस बारे में सीख देना चाहिए। आँचल अपने शिक्षक की बात को यूं याद करते हुए कहते हैं कि एक बार की बात है, एक गांव के शिक्षक का ट्रांसफर शहर में हो गया। वह अपने पूरे परिवार के साथ गांव से शहर आ गया। उसने अपने बच्चों, विद्यार्थियों सभी को स्वच्छता के विषय में ज्ञान दे रखा था। यदि कोई गंदगी करता है, स्वच्छता नहीं रखता तो उसे स्वच्छता के बारे में बताएं व उसे समझाए कि यदि हम स्वच्छता नहीं रखेंगे तो हमें बीमारियों का सामना करना पड़ेगा, उससे प्रकृति को भी नुकसान होगा।

यह बात शिक्षक के नन्हे बच्चे को भलीभांति याद थी। उसने जब अपनी कॉलोनी में लोगों को गंदगी फैलाते हुए देखा तो उसने उन्हें रोका व समझाया कि इस तरह की गंदगी से बीमारी फैलती है, स्वच्छता रखने से आसपास के वातावरण में शुद्धता रहती है जिससे आप बीमारियों से दूर रहते हैं। हम पर्यावरण में श्वास लेते हैं, यदि ये प्राण वायु अशुद्ध हो गई तो हमारा क्या होगा, आप समझ ही गए होंगे, मैं क्या कहना चाहता हूं। नन्हें बालक की बात सभी के समझ में आ गई।

कालोनी के समस्त लोगों ने प्रण लिया कि वे न गंदगी करेंगे न किसी और को करने देंगे। एक छोटे से बच्चे ने अपने कालोनी के लोगों को जागरूक किया। यदि एक नन्हा सा बच्चा लोगों को जागरूक कर सकता है तो आप और हम क्यों नहीं? अपने आसपास के लोगों को जागरूक करें ताकि वे दूसरों को भी जागरूक कर सकें, स्वच्छता बनाए रखें।

11 स्वच्छता के हमारे चैंपियन

अंकित शर्मा, नागेश्वरधाम कॉलोनी, उज्जैन

स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने में हमने स्थानीय प्रशासन, शासन एवं आम लोगों की मदद से सफलता प्राप्त की। वर्तमान में हमने हमारे द्वारा आयोजित प्रत्येक कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों से नगर पालिक निगम उज्जैन के रूष्ट एप्प पर जाकर एवं नगर पालिक निगम उज्जैन, उज्जैन स्मार्ट सिटी की ओर से उपलब्ध कराए गए स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 के क्यूआर कोड को स्कैन कर फीडबैक देकर उज्जैन को नंबर वन बनाने हेतु आग्रह किया। हमारे प्रयासों से नगर पालिक निगम उज्जैन द्वारा विगत माह प्रत्येक शनिवार को आयोजित 'स्वच्छ शनिवार' कार्यक्रम में मंगलनाथ मंदिर, शनि मंदिर, पुरुषोत्तम सागर पर आयोजित कार्यक्रम में श्रमदान कर, सहभागिता की गई। इसी तरह हम सभी यजमानों से पूजन सामग्री नदी में विसर्जन करने के स्थान पर निर्माल्य कुंड में विसर्जन करने का निवेदन करते हैं, तथा पूजा में उपयोग किये जा चुके फूलों को फूलों से अगरबत्ती बनाने वाली कंपनी को उपलब्ध करवाते हैं।

22 मई 2023 को वीर शिरोमणि महाराणा प्रतापजी की जयंती के अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ उज्जैन में युवा सम्मेलन में सहभागिता की। निगम टीम के सहयोग से एक जीरो वेस्ट इवेंट आयोजित किया जो ३-आर थीम पर आधारित था। इसके अलावा मेरे द्वारा आयोजित 4 विधिक साक्षरता, जागरूकता कार्यक्रम में 'मेरी लाइफ- मेरा स्वच्छ शहर' के अंतर्गत नगर पालिक निगम उज्जैन (टीम ओम साई विज़न) के साथ आरआरआर सेंटर हेतु जन जागरूकता अभियान चलाया गया। उपस्थित भाई -बहनो से अपने घरों का अनुपयोगी सामान जैसे- प्लास्टिक सामान, कपड़े, जूते, किताबें, ई-वेस्ट आदि आरआरआर सेंटर पर जमा करवाने हेतु प्रेरित किया।

इक्वेशन एनजीओ एवं उज्जैन स्मार्ट सिटी, नगर पालिक निगम उज्जैन के संयुक्त तत्वाधान में 30 मई को उज्जैन स्मार्ट सिटी मेला कार्यालय कांफ्रेंस हॉल में नेशनल कंसल्टेशन ऑन वेस्ट मैनेजमेंट एंड टूरिज्म विषय पर आयोजित कार्यशाला में सहभागिता की तथा वेस्ट मैनेजमेंट पर कार्य करने के एन.जी.ओ. के प्रस्ताव पर सहमति दी तथा कार्य प्रारम्भ किया। 6 मई को उज्जैन में आयोजित प्लॉग रन में सहभागिता कर शहर को स्वच्छ बनाने में सहयोग किया। भागो सिंगल यूज़ प्लास्टिक जनजागरण, बोतल संग्रहण यात्रा में सिंगल यूज़ प्लास्टिक उपयोग न करने की शपथ ली व दूसरो को भी इस हेतु प्रेरित किया।

12

बदलाव की गाथाएं

टीम युवा टास्क फोर्स सिंगरौली, संपर्क सूत्र - आशीष शुक्ला

बदलाव के लिए शुरुआत 2015 से ही सिंगरौली शहर में सक्रिय टीम युवा टास्क फोर्स ने स्वच्छता अभियान के लिए जिला प्रशासन के साथ काम करना शुरू किया था और नगरीय निकाय से स्वच्छ भारत मिशन के द्वारा जुड़ने का मौका मिला। शुरुआत में ही वार्ड स्तर पर टीम का गठन किया जाकर स्वच्छता अभियान चलाया जाना शुरू किया गया और नागरिकों के व्यवहार परिवर्तन के लिए दिशा तय की गई। स्वच्छता के लिए नागरिकों की आदतों में बदलाव लाने के लिए युवाओं को जोड़ा गया और सभी 45 वार्ड में टीम का गठन किया गया, जो आज तक सक्रियता से अभियान को गति देने का काम कर रहे हैं।

उदाहरण के तौर पर युवाओं की टीम साहस वेलफेयर सोसायटी द्वारा प्रत्येक रविवार को एक स्थान सुनिश्चित करके वहां सफाई अभियान चलाया जाता है और दीवारों को सुंदर बनाया जाता है, टीम द्वारा अभी तक ऐसे ही शहर के 83 स्थानों का सौंदर्यीकरण किया है। युवा टास्क फोर्स की टीम, जिसने पुराने या अविकसित पार्कों को गोद लेकर उसके स्वरूप को बदलने का काम किया है और शहर से स्वयं ही पुरानी अनुपयोगी वस्तुओं को जुटाकर उससे ४क्र पार्क बनाया। युवाओं की एक और टीम उन्नति सोसाइटी द्वारा विश्व की सबसे लंबी म्यूरल आर्ट बनाकर हार्वर्ड वर्ल्ड रिकॉर्ड लंदन के द्वारा सम्मान पाया गया है और टीम के कलाकारों द्वारा हार्डवेयर की दुकानों से पुरानी अनुपयोगी पेंट सामग्रियों को एकत्रित कर शहर के मलिन बस्तियों और सार्वजनिक दीवारों का रंग रोगन किया गया है।

शहर में इसी तरह समृद्धि सोसाइटी, आनंद विहार रहवासी समिति, विंध्यांचल सोसाइटी, बसंत विहार रहवासी समिति, साकार फाउंडेशन की तरह सैकडो समितियों और संस्थाओं द्वारा स्वच्छता की अलख जगाने का कार्य किया जा रहा है। टीम युवा टास्क फोर्स के क्रियाकलापों से प्रेरित होकर युवा वर्ग स्वच्छता में सहयोगी बन रहा है और नित नए नवाचार करते हुए शहर में स्वच्छता की संकल्पना को साकार कर रहे हैं। इन युवाओं की टोलियों द्वारा शहर में बर्तन बैंक, झोला बैंक, मास्क बैंक और आरआरआर सेंटर का संचालन भी किया जा रहा है।

13

मेरा शहर पिपरिया

मुकुन्द तिवारी, पिपरिया

हाल ही में किए गए मेरे पिपरिया शहर के दौरे के दौरान, मुझे उस अद्भुत स्तर की स्वच्छता और स्वच्छ वातावरण से चकित होने का मौका मिला। शहर में 'स्वच्छता' के प्रति अनुशासन का रंग छाया हुआ था। सड़के साफ थीं और रद्दी के डिब्बे रखे गए थे, जो लोगों को जिम्मेदार ढंग से अपना कचरा फेंकने के लिए प्रोत्साहित करते थे। शहर के हरे-भरे बगीचे और पार्क को सफलतापूर्वक बनाए रखा गया था, जो शहर के निवासियों और आगंतुकों को एक शांतिपूर्ण और आकर्षक वातावरण प्रदान करते थे।

मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाली बात यह थी कि नगरवासियों का साथ मिलकर स्वच्छता को बनाए रखने की भावना थी। मैंने स्वयं लोगों को सफाई अभियानों और जागरूकता अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लेते हुए देखा, जो समुदायिक जिम्मेदारी के मज़बूत एकता का प्रतीक था। स्थानीय प्रशासन, विभिन्न एनजीओ के साथ मिलकर कचरे का प्रबंधन और रीसायकलिंग पहलों पर सक्रिय रूप से काम कर रहे थे, जिससे शहर का पर्यावरणीय प्रभाव कम हो रहा था।

नगरवासियों का स्वच्छता के प्रति समर्पण वाकई सराहनीय था। यह देखकर मुझे यह विश्वास हो गया कि समुदाय के संगठित प्रयास से एक स्वच्छ और स्वस्थ शहर बनाने की शक्ति है। मेरा पिपरिया शहर के इस अनुभव ने स्वच्छ भारत के लिए समुदाय-प्रेरित प्रयासों की ताक़त को पुनः संशोधित किया और मैं उम्मीद करता हूँ कि अन्य शहरी लोग पिपरिया की यात्रा से प्रेरित होकर आने वाले समय में एक स्वच्छ और हरियाली भरा राष्ट्र निर्माण करने में अपना योगदान देंगे।

14

अच्छी आदतें

सेव्या नागर, उज्जैन

मेरे घर से मेरा स्कूल लगभग 15 किलोमीटर की दूरी पर है। आते-जाते वक्त बस में कई बच्चे खाने-पीने की चीजें जैसे चिप्स, कुरकुरे, चॉकलेट को बस में खाते थे, कहीं बच्चे खाने के बाद रैपर्स को विंडो ओपन करके फेंक देते थे वह कचरा सड़क किनारे लगे पेड़ों में इकट्ठा हो जाता था या फिर सड़क पर उड़ता रहता था जिससे पेड़ों को भी नुकसान हुआ करता था। प्लास्टिक के मिट्टी में मिलने से उसकी उर्वरता कम हो जाती है और प्रदूषण भी होता है। जब मैंने इस नुकसान का पूरा दृश्य अपने बस के बच्चों को दिखाया और इसके नुकसान के बारे में बताया. उस दिन से बच्चों ने खाली पैकेट और चॉकलेट के रैपर्स को रोड पर फेंकने की बजाए बैग में रख लिया और इस तरह से यह बदलाव एक सकारात्मक परिणाम के रूप में सामने आया।

हम जानते हैं उज्जैन एक धार्मिक नगरी है। अभी अधिक मास में दूर-दूर से कई लोग देव दर्शन, के लिए आते हैं । मेरे घर पास महादेव रेवंतेश्वर महादेव का मंदिर है। यहां पर महिलाएं बड़ी संख्या में आती उपवास करती थी। इस दौरान केला खाकर छिलका वहीं फेंक दिया करती थी या नाली में बहा दिया करती थी। मंदिर के किनारे ही मैंने एक बैनर के माध्यम से श्रद्धालुओं से अपील की, कि खाकर या पीकर कचरे को नालियों में सड़कों पर डालने की बजाए मंदिर के बाहर रखे डस्टबिन में ही डालें। एक दिन कुछ महिलाओं ने केला खाकर छिलके को सड़क के किनारे ही फेक दिया और वहीं पर लाइन में लग गई। यह सब नजारा वहां पर स्थानीय रूप से रहने वाली दादी जी देख रही थी उन्होंने मेरे द्वारा तैयार किए गए बैनर की ओर उंगली दिखाई और महिलाओं से पढ़ने को कहा। महिलाओं ने सड़क किनारे अपने द्वारा फेंके गए छिलके को उठाया और डस्टबिन में डाला।

इसी तरह जब मैं अपने डांस क्लास के लिए जाती तो देखती थी कि एक चाय वाले अंकल एक केतली हाथ में लेकर और एक डिस्पोजल का बंडल लेकर चाय दिया करते हैं। हालांकि डिस्पोजल कागज का हुआ करता था। लेकिन चाय पीने के बाद में दुकानों के नीचे जो नालियां बहती है उसमें दुकानदार चाय पीकर खाली डिस्पोजल फेंक दिया करते थे।एक दिन उन्ही दुकानदारों में से एक अंकल को मैंने कहा अंकल नाली में इतने सारे डिस्पोजल कैसे इकट्ठा हो गए है? तो अंकल ने कहा हां, कचरा साफ करने वाले आते ही नहीं है। इसके जवाब में मैंने कहा कचरा आपने फैलाया और आप यह चाय पीकर या जो भी कचरा आपकी दुकान से निकलेगा उसे डस्टबिन में डालेंगे तो आपकी नालिया साफ़ ही रहेगी, आपको जरूरत ही नहीं पड़ेगी नाली साफ करने वालों की। स्वच्छता आपकी स्वयं की जिम्मेदारी है। डस्टबिन नहीं है मैं आपको डस्टबिन ला कर उस दिन के बाद से अंकल ने डस्टबिन का प्रयोग करना शुरू कर दिया। वर्तमान में मैं जब भी निकलती हूं अंकल मुझे डस्टबिन की और इशारा करके हुए कहते हैं कि हमने डस्टबिन रखा है। मेरी इतनी सी प्रार्थना की वजह से आज इतना बड़ा बदलाव हो गया है।

15

घर के आस पास रखें सफाई

हेमलता सिंह, नौरोजाबाद

स्वच्छता हम सबकी जिम्मेदारी है और मैं इस जिम्मेदारी को समझती हूं। अपनी सहेलियों और नगर के लोगों को भी ऐसा करने तथा कचरे को नालियों में ना डालने की सलाह देती हूं। मैं अपने घर के गीले व सूखे कचरे को अलग-अलग कर स्वच्छ कचरा संग्रहण वाहन में देती हूं। बाहर कचरा ना फैलाने का आग्रह करती हूं, पॉलिथीन के दुष्प्रभाव से अवगत कंराते हुए मैं लोगों को कपड़े वाले बैग का इस्तेमाल करने की सलाह देती हूं।

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत घर-घर स्वच्छ कचरा संग्रहण वाहन के चलने से घरों के आसपास बेक लाइन में अब कचरे का ढेर नहीं लगता न ही मच्छरों की समस्या होती है, नालियां पहले से काफी स्वच्छ रहती हैं नगर में जगह-जगह पर डस्टबिन लगे रहने से लोग उसका इस्तेमाल करते हैं जिससे सड़कें साफ़ रहती हैं और हमारा नगर स्वच्छ व सुंदर लगता है।

रोहित यादव, उज्जैन मध्य प्रदेश

स्वच्छ भारत मिशन प्रारंभ होने से स्वच्छता को लेकर समय-समय पर भारत सरकार और मध्यप्रदेश सरकार द्वारा कई सराहनीय कदम उठाए गए हैं। डोर टू डोर कचरा संग्रहण वाहन चलाए गए हैं, जिससे नागरिक अब कचरा सड़क पर या नालियों में नहीं बल्कि कचरा वाहन में डालते हैं जिससे कहीं भी सड़कों पर या चैराहों पर कचरे का ढेर व गंदगी नहीं दिखती है।

पहले लोग बाहर घूमने जाते थे तो कचरा कहीं भी फेंक देते थे पर अब डस्टबिन में ही डालते हैं तथा न ही खुले में शौच करते हैं न हीं इधर उधर कहीं भी थूकते हैं तथा स्वच्छता के महत्व को समझने लगे हैं और भारत का बच्चा-बच्चा स्वच्छता को लेकर जागरूक है व अन्य नागरिकों को भी कर रहा है यह बदलते भारत की स्वच्छ व स्वस्थ कहानी है।

16

मेरे अपने स्वच्छता अनुभव

निधि कुशवाहा, गर्ल्स हाई स्कूल, कला मंदिर, रीवा

मेरा नाम निधि है, बचपन में गाँव में रहती थी। जब मेरे पिता ने रीवा शहर में काम शुरू किया तो मैं रीवा शहर आयी। जब मैंने रीवा शहर में रहना शुरू किया, तो मैंने पाया कि यह बहुत गंदा था, यहाँ हर जगह कचरा डंप पॉइंट थे, जिन्हें अक्सर साफ किया जाता था। हर कोई सड़क किनारे कचरा फेंकता था। कूड़ा-कचरा इकट्ठा करने या समय पर संग्रहण या हटाने की कोई व्यवस्था नहीं थी। मैंने यह भी देखा कि डंप साइड हमेशा भरा रहता था। यह स्थिति किसी भी शहर के सौंदर्य एवं सम्मान के लिए शर्मनाक बात होती है कि हम अपने शहर को स्वच्छ ना रख सकें। स्वच्छ भारत मिशन का धीरे-धीरे असर दिखने लगा था। घर-घर जाकर अलग-अलग तरीके से भी संग्रहण की आदत लोगों में आने लगी।

हम बरसात के दिनों में जब हम स्कूल जाते थे, तब हमें गंदे पानी से भरी नालियाँ नंगे पैर जाना पड़ता था। मुझे अपने जूते बाहर निकालने पड़ते थे। हमारे पैरों में खुजली होती थी और राहत पाने के लिए मेरी माँ उस पर तेल लगाती थीं। अंततः अब मैं कचरा मुक्त शहरी जीवन का आनंद ले रही हूं, मेरी रुचि अब स्वच्छता में विकसित हो गई है, अब मैं स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी निभाना चाहती हूं। मैं प्रधानमंत्री के इस ड्रीम प्रोजेक्ट 'स्वच्छ भारत मिशन'- एक कदम स्वच्छता की ओर का सम्मान करती हूं। और मैं कभी सुबह के कचरा वाहन में बजने वाले गाने को नहीं भूलती जो न केवल हमें जगाती है बल्कि हमें स्वच्छ रहना भी सिखाती है। साथ ही मैं स्वच्छता के सिपाही और देश के सिपाही को सलाम करती हूं।

17

मेरे अपने स्वच्छता अनुभव

आयुष कुशवाहा, स्वागत भवन, रीवा (म.प्र.)

मैं कक्षा 8वीं में पढ़ रहा हूँ और रीवा (मध्यप्रदेश) शहर में रहता हूँ। शुरूआती दिनों में बहुत अस्वस्थ था। बार-बार स्वास्थ्य जांच के बाद भी मैं पूरी तरह से फिट नहीं हो पा रहा था। डॉक्टर हमेशा गंदे स्थानों पर न जाने के लिए बालते थे, लेकिन हर जगह कचरा ही कचरा था या तो नाली का कचरा या घर का कचरा या बाजारों का कचरा। मैं बाहर न जा पाने के कारण बहुत परेशान रहता था। धीरे-धीरे मेरे आसपास नगर निगम की सफाई टीम द्वारा सफाई कराई जाने लगी। लगातार बारिश के बाद भी सभी नालियां अब ठीक से बह रही हैं, सड़कें साफ हैं, कूड़े के ढेर नहीं दिख रहे हैं, दीवारों पर पेंटिंग हैं, पार्कों का रखरखाव किया जा रहा है, रात में।

मैं देखता हूं, सभी दुकानों के सामने दुकानदार अपने कूड़ेदान रखते हैं और कूड़ा कलेक्शन वैन को सौंप देती हैं। आसपास कूड़ा-कचरा नहीं फैलता। मेरे माता-पिता ने मुझे खेलने जाने की अनुमति दे दी और मैं स्वस्थ रहने लगा। अब मेरी रुचि पढ़ाई में भी हो गयी है। मैं यह सफाई देखकर खुश हूं, मैं खुश हूं इसलिए मेरी बहन और माता-पिता भी खुश हैं। स्वच्छ भारत मिशन को धन्यवाद और अब सब अच्छा लगता है।

----

18 गौरव गाथा

प्रमोद सिंह, रीवा

मैं वार्ड क्रमांक **45** का दरोगा हूं। मैं जब वार्ड क्रमांक **45** का दरोगा पद पर पदस्थ हुआ तो मैंने पूरा वार्ड भ्रमण किया मुझे पता चला कि वार्ड **45** एक ऐसा वार्ड है जिसमें ज्यादातर ग्रामीण परिवेश है जिसके कारण यहां काम करना मुश्किल हो रहा था लोगों में जागरूकता की कमी थी। आए दिन ज्यादा से ज्यादा विवाद होते थे कचरा गाड़ी आती थी फिर भी लोग गाड़ी में कचरा नहीं डालते थे। उनका कहना था कि जो हमारे घरों से कचरा निकलता है उसे हम अपने खेतों में डालते हैं जो कि अच्छा नहीं था। ग्रामीण वार्ड होने के कारण नालियों का भी निर्माण सही से नहीं हुआ था। लोगों के घरों का पानी रोड पर फैलता था। हमने लोगों को समझाइस दी कि आप अपने कचरे को कचरा गाड़ी में डालें। समय-समय पर हर घर में जाकर कचरा गाड़ी में कचरा डलवाया। निगम से मदद ली और पार्षद जी की मदद से नालियों का निर्माण करवाया। आज सभी के प्रयासों से मेरा पूरा वार्ड तो नहीं कह सकते लेकिन वार्ड के सभी चौक, चौराहे, गलियाँ, और आवासीय क्षेत्र स्वच्छ हैं। हम सब लोग इनको लगातार साफ़ बनाए रखने के प्रयास में जुटे हुये हैं। स्वच्छ भारत, स्वस्थ्य भारत की ओर हमने एक कदम बढ़ा दिया है;

अनिरुद्ध धाकड़

मेरे स्कूल में मुझे हमेशा यह बताया जाता है कि घर पर जो भी कचरा निकलता है उसे अलग अलग करके कचरा गाड़ी को ही देना है। मैं जब भी कोई बिस्किट, टॉफी, चॉकलेट खाता हूँ तो उसका रैपर यहां वहां नहीं फेंकता उसे नीले वाले डस्ट्बिन में ही डालता हूँ, जिससे मेरे घर में कहीं पर भी कचरा दिखाई नहीं देता। मेरे स्कूल में एक कॉम्पटीशन हुआ था, जिसमें मुझे सर्टीफिकेट दिया गया था, इस कॉम्पटीशन में मैंने एक प्लास्टिक की बॉटल में ढेर सारी पन्नी, रैपर को इकट्ठा किया था। मैं मेरा छोटा भाई और मम्मी-पापा अपने घर के कचरे को रोज सुबह आने वाली कचरा गाड़ी में ही देते हैं। आप सब भी कचरे को डस्ट्बिन में डालें और कचरा गाड़ी आने पर कचरा लेने वाले अंकल/आंटी को ही कचरा दें।

19

गौरव गाथा

मनीष नामदेव शहर, रीवा

मैं वार्ड क्रमांक 47 का वार्ड पार्षद हूँ। जब मैं पार्षद बना और अपने वार्ड में भ्रमण किया तो मुझे पता चला कि जो हमारे वार्ड में बहुत सारी परेशानियां है। नगर निगम की बहुत सारी सुविधाएं हैं, जो यहाँ के रहवासियों को नहीं मिल पा रही है जिस कारण से उन्हें बहुत सारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। हमारे वार्ड में सबसे ज्यादा बड़ी परेशानी बस्तियों में सुलभ शौचालय का ना होना था, इससे लोग खुले में शौच करते थे, और पूरे वार्ड में गंदगी फैली रहती थी। मैंने अपने वार्ड में तीन सुलभ शौचालयों का निर्माण करवाया, इससे लोगों को सुविधाएं मिली और सभी लोग शौचालय का उपयोग करने लगे आज हमारा वार्ड सभी मापदंडों में स्वच्छ है। समय पर कचरा साफ हो जाता है। स्वच्छ शहर, सुंदर शहर रींवा।

संजय बाल्मीकी, रीवा

मैं वार्ड क्रमांक 42 का दरोगा हूं, मुझे वार्ड क्रमांक 42 में पदस्थ किया गया। वहाँ लोगों की सबसे ज्यादा शिकायतें है कि यहां से कचरा नहीं उठता है, नाली साफ नहीं होती है। मैंने जब वार्ड में भ्रमण किया तो मुझे पता चला कि लोगों का कहना सही है, कचरा गाड़ी नहीं आती इसलिए यहां लोग कचरा फेंक रहे हैं फिर हमने प्रयास चालू किया और आज हम ज्यादा से ज्यादा कोशिश करते हैं कि हमारा वार्ड साफ़ और स्वच्छ रहे। स्वच्छ भारत के हमारे प्रधानमंत्रीजी के सपनों को सच करने में हम जुट गए हैं।

20

मेरे अपने स्वच्छता अनुभव

तमन्ना चौधरी कटनी

स्वच्छता आज भारत का अहम मुद्दा है, स्वच्छता एक अच्छी आदत है जो हम सभी के लिए बहुत जरूरी है। अपने घर, पालतू जानवर, अपने आसपास, पर्यावरण, तालाब, नदी, स्कूल आदि सहित सब की सफाई हमें करते रहना चाहिए। हमें साबुन से नहाना, नाखून काटना चाहिए, साथ ही जब कभी भी आप बाहर से आए तो कोई भी काम करने से पहले अपने हाथों को धोना चाहिए। सूखे और गीले कचरे को हमें अलग-अलग हरे और नीले कूड़ेदान में डालना चाहिए। हमारे छोटे-छोटे प्रयास से हम अपने भारत को और मध्यप्रदेश एवं शहरों को और गांव को स्वच्छ रख सकते हैं -

आओ मिलकर एक कदम उठाएं, स्वच्छता पर ध्यान लगाए।

आओ मिलकर एक कदम उठाए, स्वच्छता पर ध्यान लगाए।

कोई जगह न रहने पाए, हर जगह को हम चमकाए।

स्वच्छता को अपनाना है, भारत को स्वच्छ बनाना है।

आओ मिलकर एक कदम उठाए, स्वच्छता पर ध्यान लगाए।

चलो करो एक वादा, स्वच्छता का एक इरादा।

आओ मिलकर एक कदम उठाए, स्वच्छता पर ध्यान लगाए।

----

21 मेरे अपने स्वच्छता अनुभव

अनुष्का श्रीवास गायत्री नगर कटनी

स्वच्छता हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है हमारे आसपास अगर स्वच्छता नहीं होगी तो हम स्वस्थ नहीं होंगे इसलिए बहुत सी बीमारी गंदगी की वजह से होती है। अगर बीमारियों से बचना है तो खुद को और आसपास की जगह को साफ रखना चाहिए। हमारे जीवन में स्वछता सिर्फ एक शब्द नहीं होना चाहिए बल्कि एक अच्छी आदत होनी चाहिए जो सिर्फ मन में नहीं हृदय में भी होनी चाहिए साफ-सफाई हमारे जीवन में उतना ही जरूरी है जितना हवा पानी और रहने के लिए घर। हमारे देश में स्वच्छता दिवस भी मनाया जाता है जिस दिन गांधी जयंती रहती है, गांधी जयंती 2 अक्टूबर को मनाई जाती है।

स्वच्छता हमें और हमारे जीवन को सुंदर बनाती है, अगर सब लोग कचरा बाहर फैकेंगे तो हमारा पर्यावरण भी दूषित होगा। स्वच्छ भारत अभियान, भारत सरकार द्वारा आरंभ किया गया एक राष्ट्रीय स्तर का अभियान है, इस अभियान की शुरुआत 2 अक्टूबर 2014 को भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई थी। हमें गांधी जी का सपना पूरा करके ही दिखाना है, अब सबको एक होकर पूरी गंदगी साफ कर देनी है -

मन में रखो एक ही सपना,

स्वच्छ बनाना है भारत अपना

। जय हिंद।

22

मेरे अपने स्वच्छता अनुभव

करण सिंह राजपूत

स्वच्छ भारत मिशन जो शुरू हुआ है, इसमें मेरा अनुभव बहुत ही अच्छा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा जो भूमिका इस मिशन में दी गई, उसमें पूरा देश बढ़चढ़ के हिस्सा ले रहा है। इसके लिए अलग से कार्य करने में लग गया है, जिसके परिणामस्वरूप हम भी दूसरे देशों की तरह अपने देश को भी स्वच्छता में नंबर वन रखें। कहीं भी गंदगी न दिखे, हर स्थान पर साफ-सफाई हो, पूरा कचरा अलग-अलग अपने स्थान पर हो, प्लास्टिक पन्नी का उपयोग बिल्कुल न हो। साफ सफाई के बारे में इतना नहीं जानते थे। सिर्फ इतना पता होता था कि हां हमने कचरा इकट्ठा किया और फेंक दिया। मेरे घर में भी अब हम सभी लोग डस्टबिन का उपयोग करते हैं। हमें भी बताया गया कि अब हम एक की जगह दो डस्टबिन रखना शुरू कर दे, एक डस्टबिन में हम गीला कचरा और दूसरे डस्टबिन में हम सूखा कचरा रखें, जिससे कचरा अलग-अलग हो जाएगा। गीले कचरे का उपयोग खाद बनाने में और सूखे कचरे को रीसायकल कर जिस प्रकार से उपयोग करना है उस प्रकार से उपयोग हो जाएगा।

मेरा अनुभव स्वच्छता में यही है कि मैं सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान में बढ़चढ़ कर भाग लूंगा और अपने घरों का कचरा ऐसे ही अलग-अलग दूंगा। जितना हो सके आसपास साफ सफाई रखूंगा और यदि मुझे किसी प्रकार की कोई समस्या होती है तो मैं इसकी कंप्लेंट भी नगर पालिक निगम में कर सकता हूं, जिससे कि तुरंत निराकरण भी हो जाता है। स्वच्छ भारत मिशन के कार्य में अब जो भी टीम काम करती है वह बहुत ही एक्टिव है। किसी भी प्रकार की शिकायत करने पर निराकरण तुरंत होता है। लोगों से भी यही अपील करता हूं कि जहां-जहां हो सके की गंदगी न करें, डस्टबिन का उपयोग करें हमेशा अपने आसपास सफाई रखें। यह छोटे-छोटे अपने अनुभव स्वच्छता के प्रति देता रहता हूं।

23 मेरे अपने स्वच्छता अनुभव

बहादुर निषाद, कटनी

स्वच्छता न हो तो हमें बहुत सी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। मेरा सबसे अच्छा अनुभव स्वच्छता में यह है कि सबसे पहले हम स्वयं को साफ-सुथरा रखें, अपने घर को साफ सुथरा रखें और उसके बाद अपनी गली मोहल्ले की स्वच्छता में योगदान दें। जैसे हम साफ-सफाई के लिए यदि बाहर समय नहीं दे पाते हैं तो हम अपने घर में ही स्वच्छता रखकर सहयोग कर सकते हैं। अपने घर के कचरे को अलग-अलग करके देना बहुत जरूरी है। गीले, सूखे और घरेलू हानिकारक कचरा अलग अलग रखना जरूरी है। हम इन कचरे को अलग-अलग करके यदि कचरा गाड़ी में ही देते हैं तो पहले एक छोटा सा सहयोग है। मैं हमेशा अपने घर से कचरा को अलग-अलग करके देता हूं। स्वच्छता के संबंध में मैं हमेशा ही अपने दैनिक जीवन में जो भी समय रहेगा उसमें से अपना सहयोग स्वच्छता के लिए देता रहूंगा।

सुजीत पटेल, कटनी

मैं जब भी कचरा देखता था तो चिंता होती थी कि यह साफ कैसे होगा। जब स्वच्छ भारत अभियान शुरू हुआ तो उन कचरे के ढ़ेरों को एक स्थान पर एकत्रित करना शुरू किया गया। सभी के घरों से कचरा ले जाकर एक स्थान पर एकत्रित होने लगा और अब मुझे बहुत खुशी होती है, कि जो मेरा अनुभव था वह आज देशव्यापी अभियान बन गया है। मुझे बहुत ही अच्छा लगता है की हर व्यक्ति अपने घर के कचरे को डस्टबिन में रखते हैं और उस कचरे को यहां वहां न फेंककर कचरा गाड़ी के माध्यम से ले जाकर एक स्थान पर एकत्रित करके उसका पुनरूउपयोग भी कर रहे हैं। मुझे बहुत ही हर्ष होता है यह देखते हुए और मैं यही कामना करता हूं कि आगे भी इसी प्रकार हमारा देश स्वच्छता में सर्वश्रेष्ठ स्थान पर रहे और हमारा शहर भी देश में अव्वल स्थान पर रहे।

24 मेरे अपने स्वच्छता अनुभव

सुमित साहू , कटनी

यहाँ स्वच्छता से तात्पर्य हमारे आसपास की सफ़ाई और उसकी समुचित देखभाल से है। जब हम अपने शरीर की सफ़ाई की बात करते हैं तो उसमें शरीर के सभी अंगों की सफ़ाई और साफ़-सुथरे कपड़े भी शामिल होते हैं। आमतौर पर छोटे बच्चों का यह न समझ पाना स्वाभाविक है कि उन्हें अपनी व्यक्तिगत स्वच्छता को कैसे बनाए रखना है और यह क्यों महत्वपूर्ण है। स्वच्छता संबंधी आदतों की शिक्षा परिवार से ही शुरू होती है और आगे चलकर बच्चे अपने आप इन सफ़ाई के नियमों का पालन करने लगते हैं। इसी कारण परिवार की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है।

बच्चों में सही स्वच्छता संबंधी आदतों को विकसित करने के लिए परिवार और प्री-स्कूल की बहुत बड़ी भूमिका होती है। छोटे बच्चे जब तक इन आदतों को भली प्रकार अपनी दिनचर्या में ढाल नहीं लेते, तब तक बड़े होने तक परिवारजनों और प्री-स्कूल के शिक्षकों को इन अच्छी आदतों को अपनाने में उनकी सहायता करनी है।

साफ़-सुथरे बच्चे अपनी कक्षा व स्कूल में सबको अच्छे लगते हैं और स्वयं भी अच्छा अनुभव करते हैं। व्यक्तिगत स्वच्छता के अंतर्गत सबसे पहले शरीर की सफ़ाई है। बच्चे को प्रतिदिन स्नान करने और हाथ धोने का महत्व बताएँ। सफ़ाई की आदतों में सबसे महत्वूपर्ण प्रतिदिन नहाना और भोजन से पहले और टॉयलेट का उपयोग करने के बाद, भली प्रकार हाथ धोना सीखना है। अपने आसपास कचरे को इकट्ठा ना होने दें क्योंकि यही बीमारी की जड़ है।

25

मेरे अपने स्वच्छता अनुभव

अंकित राय कटनी

यह सत्य है कि, हम पूरे देश को एक दिन या साल में साफ नहीं कर सकते, हालांकि, यदि हम भारत में सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने पर रोक लगाने में ही सफल हो जाते हैं, तो यह भी हमारी बड़ी सफलता है। यह सत्य है कि, हम पूरे देश को एक दिन या साल में साफ नहीं कर सकते, हालांकि, यदि हम भारत में सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने पर रोक लगाने में ही सफल हो जाते हैं, तो यह भी हमारी बड़ी भागीदारी होगी। यह हमारी जिम्मेदारी है, कि हम स्वंय को रोकने के साथ-साथ उन दूसरे लोगों को भी रोकें जो हमारे भारत को गंदा कर रहे हैं।

हम सामान्य तौर पर अपने परिवारों में देखते हैं कि, घर का प्रत्येक सदस्य कुछ विशेष जिम्मेदारी (कोई झाड़ू लगाता है, कोई सफाई करता है, कोई सब्जी लाता है, कोई घर के बाहर के कार्य करता है आदि) रखता है, और उसे यह कार्य समय पर किसी भी कीमत पर करने पड़ते है। इसी तरह, यदि सभी भारतीय अपने आस-पास के छोटे स्थानों के लिए अपनी जिम्मेदारियों (स्वच्छता और गंदगी फैलाने से रोकना) को समझते हैं, तो मेरा मानना है कि वो दिन दूर नहीं, जब हम देश में चारों ओर स्वच्छता को देखेंगे।

स्वच्छता अभियान को शुरु करने से पहले, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारा मस्तिष्क भी साफ हो। स्वच्छता स्वस्थ मस्तिष्क, आत्मा और वातावरण के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जैसे हम अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए इसकी देखभाल करते हैं, इसी तरह हमें अपने देश की भी देखभाल करनी चाहिए।

26 मेरे अपने स्वच्छता अनुभव

विकास साहू कटनी

स्वच्छ भारत अभियान एक अभियान नहीं बल्कि एक पहल होनी चाहिए जो हर नागरिक तक पहुंचनी चाहिए। सभी इससे परिचित हैं पर अब समग्र स्वच्छता हेतु समस्त गतिविधियों को एक अलग स्तर पर संचालित करने के लिए इसे अभियान नाम दिया गया है, क्योंकि अब हर फील्ड में स्तर बढ़ रहा है तो स्वच्छता का स्थान क्यों नहीं बढ़ना चाहिए।

पहले सिर्फ स्वछता हम स्वयं रखते थे हमारे घर तक रखते थे उसके बाद की जिम्मेदारी पूरी सरकार की होती थी पर अब सरकार ने स्वच्छता को एक अभियान के रूप में चलाकर हर व्यक्ति को उसकी जिम्मेदारी दे दी है तो इसमें मेरा अनुभव यह है कि मैं अपने दैनिक जीवन से समय निकालकर इस अभियान में जितना भी सहयोग कर सकूं, मैं करता हूं।

जैसे कि कभी भी सार्वजनिक स्थानों पर अपने सहयोगी मित्रों, नागरिकों के साथ सफाई अभियान चलाना। सफाई अभियान से सफाई तो होती ही है साथ में लोगों के बीच एक ऐसा संदेश भी जाता है कि यह जो जिम्मेदारी है सिर्फ हमारे घर तक नहीं है जो हमारा देश है हमारा मोहल्ला, गली, सार्वजनिक स्थान है उसमें भी सफाई रखने की जिम्मेदारी हमारी भी है। जब भी समय मिले इस प्रकार से स्वच्छता में अपना सहयोग देते रहे और अपने स्वच्छता के प्रति अनुभव को बढ़ाएं।

27

मेरे अपने स्वच्छता अनुभव

श्रीकांत सोनी कटनी

सबसे पहले हमें सार्वजनिक स्थलों को गंदा नहीं करना चाहिए और यदि ये गंदे हो गये हैं तो, हमें इन्हें साफ करना चाहिए क्योंकि इसके लिए हम ही जिम्मेदार हैं। इस जिम्मेदारी को सभी भारतीय नागरिकों को समझने की आवश्यकता है। हमें हमारी सोच को बदलने की आवश्यकता है क्योंकि केवल इसी के द्वारा हम भारत को स्वच्छ रख सकते हैं।

बहुत से स्वच्छता संसाधन और प्रयास तब तक अधिक प्रभावशाली नहीं होगें जब तक कि हम अपनी सोच नहीं बनाते कि, पूरा देश हमारे घर की तरह है और हमें इसे स्वच्छ रखना है। यह हमारी सम्पत्ति है, न कि दूसरों की। हमें यह समझने की जरुरत है कि, एक देश घर की तरह होता है, जिसमें बहुत से परिवार के लोग संयुक्त परिवार की तरह रहते हैं।

हमें यह मानना चाहिए कि, घर के अंदर की वस्तुएं हमारी अपनी सम्पत्ति हैं, और उन्हें कभी भी गंदा और खराब नहीं करना चाहिए। इसी तरह, हमें यह भी मानने की आवश्यकता है कि, घर के बाहर प्रत्येक वस्तु भी हमारे देश की सम्पत्ति है, और उसे हमें गंदा नहीं करना चाहिए और उन्हें स्वच्छ रखना चाहिए। हम अपने देश की बिगड़ी हुई स्थिति को सामूहिक स्वामित्व की भावना से बदल सकते हैं।

संरचनात्मक परिवर्तनों के स्थान पर, औद्योगिक, कृषि, और अन्य क्षेत्रों से कचरे के लिए प्रभावशाली प्लांटों का निर्माण करके, सरकार द्वारा कानूनों और नियमों को बनाया जाना चाहिए; हमें अपनी खुद की जिम्मेदारी और अपनी सोच का प्रयोग करके अपने प्रयासों के द्वारा मानने की आवश्यकता है। यह केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है; यह प्रत्येक भारतीय नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है।

28

मेरे अपने स्वच्छता अनुभव

पवन अहिरवार कटनी

ऐसे कई तरीके हैं जिनसे कोई भी अपने आसपास स्वच्छता बनाए रख सकता है साथ ही खुद को और पर्यावरण को स्वच्छ रख सकता है। स्वयं को स्वच्छ बनाए रखने का एक प्रमुख तरीका नियमित रूप से ब्रश करना और स्नान करना है।

इसी तरह, जितनी बार संभव हो हाथ धोना भी महत्वपूर्ण है, ज्यादातर भोजन से पहले और बाद में। कोरोना वायरस की शुरुआत के साथ ही बार-बार हाथ धोना और भी जरूरी हो गया है।

इसके अलावा, हमें अपने नाखून काटने चाहिए और पोष्टिक भोजन खाना चाहिए। पर्यावरणीय स्वच्छता की ओर बढ़ते हुए हमें अपने आस-पास की गंदगी को नियमित रूप से साफ करना चाहिए। प्लास्टिक की थैलियों और कूड़ा-कचरा लापरवाही से फेंकने से बचने की पूरी कोशिश करें।

युवान वर्मा, भोपाल

मेरे स्कूल में साफ सफाई रखने के लिए मैडम हमेशा बोलती हैं और हम सब साफ सफाई रखते भी हैं। मैडम ने बताया था कि साफ सफाई रखने से बीमारियाँ नहीं होती और हम सब स्वस्थ रहते हैं।
मैं अपने घर पर भी साफ-सफाई रखता हूँ और घर से निकलने वाला सारा कचरा डस्ट्बिन में ही डालता हूँ, मेरी मम्मी किचन का सारा कचरा हरे वाले डस्ट्बिन में डालती हैं और सुबह जो कचरा गाड़ी के साथ आने वाले अंकल/आंटी को अलग-अलग कचरा देती हैं। हम घर से निकलने वाले सारे कचरे को कचरा गाड़ी को देते हैं। आप भी अपने घर से निकलने वाले कचरे को अलग-अलग करके ही रखें, और कचरा गाड़ी को दें।

29 मेरे अपने स्वच्छता अनुभव

नीलेश सिंह परिहार कटनी

स्वच्छता का सबसे पहला और महत्वपूर्ण महत्व यह है कि हमारे आसपास बीमारियों का न होना। स्वच्छता हमें व्यक्तिगत स्तर पर तरोताजा और स्वच्छ रहने में मदद करती है। इसके अलावा, यह हमें नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी वायरस या बैक्टीरिया की संभावना को कम करता है। जब आप स्वच्छ रहेंगे और पर्यावरण को स्वच्छ रखेंगे तो आपके बीमार पड़ने की संभावना कम होगी। इसीलिए हमे स्वच्छता बनाए रखनी चाहिए। मैने जो स्वच्छता के प्रति किया। महात्मा गांधी ने कहा था- 'स्वच्छता ही सेवा है। हमारे देश के लिए, हमारे जीवन में स्वच्छता की बहुत जरूरत है। गंदगी हमारे आसपास के वातावरण और जीवन को प्रभावित करती है। हमें व्यक्तिगत व आसपास भी सफाई अवश्य रखनी चाहिए और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए।

मैंने शहर वासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया है। मैने खुद लोगो के घर जाकर कचरे को पृथक पृथक कर कचरा गाड़ी में डालने की समझाइश दी। और स्वयं कचरे को अलग अलग कर बताया है। सिंगल यूज प्लास्टिक हमारे जीवन में कितनी हानिकारक है। जिसे हमें यूज नही करना चाहिए इसके लिए मैने अपने स्तर मैं शहर वासियों को सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने की समझाइश दी। जिस काम को करने में काफी खुशी मिलती है।

मैने अपने शहर को स्वच्छ रखने का अपने जीवन का मुख्य उद्देश्य बना लिया हैं। और यह कार्य अपने जीवन मैं उतार लिया हैं। मैने हर श्रेणी के लोगो को स्वच्छता बनाए रखने के लिए समझाइश दी एवं अपना अनुभव निरंतर साझा करते जा रहा हूं। इस कार्य को करने मैं मुझे काफी बाधा आई जैसे कुछ लोगों ने ऐसे फालतू समझ के मेरी बातो और मेरे कार्य को अनदेखा व अनसुना किया लेकिन मैं अपने कार्य में अटल रहा मैं अपना कार्य निरंतर करता रहा। स्वच्छता की शुरुआत 2014 में हुई थी जैसा की में देख रहा हूं, देश में पहले से ज्यादा स्वच्छता मिल रही हैं। और इस कार्य से मुझे बहुत सी चीजे सीखने मिली हैं।

30 मेरे अपने स्वच्छता अनुभव

शिवानंद तिवारी : कटनी

मैं शिवानंद तिवारी अपने शब्दों में स्वच्छता पर कुछ बिंदुओं पर गौर करना चाहता हूं मैं लगभग 1 साल से स्वच्छ भारत मिशन पर जुड़ा हुआ हूं और मुझे स्वच्छता पर कार्य करना बहुत ही अच्छा लगता है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छता की एक छोटी सी नींव रखी, जिसके अंतर्गत स्वच्छता में बहुत कुछ बदलाव हुआ और आज देश स्वच्छता के क्षेत्र में बहुत ही आगे निकल चुका है। पहले जहां तक हम देखते थे कि लोग शौचालय के लिए बाहर खुले में शौच का उपयोग करते थे, परंतु अब लोगों के अंदर जागरूकता आ चुका है और लोग शौचालय का उपयोग करने लगे हैं। शौचालय बनवाने में हमारे सम्मानित प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा बहुत ही उल्लेखनीय योगदान दिया गया है और हर घर में शौचालय बनवाया गया। इससे हमारे आसपास जो खुले में गंदगी होती थी अब वह नहीं होती एवं साफ सफाई का वातावरण रह रहा है। जहां तक कि हम देखते हैं कि पहले लोग अपने घर का कचरा बाहर निकाल कर फेंक देते थे अब वह नहीं कर रहे हैं। अब हमारे घर एवं वार्ड में कचरा गाड़ी आने लगी है, हम कचरे को अलग-अलग प्रकार से कचरा गाड़ी में डालते हैं। कचरे को पृथक पृथक करके गीला एवं सूखा कचरा अलग करके कचरा गाड़ी में ही देते हैं एवं लोगों से भी यही अपील करते हैं कि घर का कचरा बाहर न फेकें, कचरा गाड़ी में ही कचरा डालें। जिससे हमारा घर हमारा शहर हमारा देश साफ सफाई के मामले पर आगे रहे।

जहां तक कि हम पॉलिथीन पर भी बात करें जहां हम पहले पॉलिथीन का प्रयोग विशेष कर अपने दैनिक जीवन में बहुत ही उपयोग करते थे परंतु यह हमारे प्राकृतिक वातावरण के लिए बहुत ही हानिकारक है अब धीरे-धीरे इस विषय में हम जागरूक होते जा रहे हैं। अब हम पॉलिथीन की जगह कपड़े का बना थैला उपयोग करने लगे हैं, स्वच्छता की शुरुआत हम अपने घर से अपने शरीर से ही कर सकते हैं। मैं लोगों से यही अपील करता हूं कि स्वच्छता पर एक छोटा कदम देश में स्वच्छता पर बहुत ही परिवर्तन ला सकता है। स्वच्छ भारत, स्वच्छ कटनी, स्वच्छ देश, स्वच्छ प्रदेश, स्वच्छ जीवन यही संदेश।

स्वच्छ रहेगी कटनी, तभी बनेगी नंबर वन कटनी।

मिलजुल कर छोड़ो चिंगारी, स्वच्छ रहेगी दुनिया सारी।।

31 मेरे अपने स्वच्छता अनुभव

गुरु प्रसाद बर्मन : कटनी

महात्मा गांधी ने अपने आसपास के लोगों को स्वच्छता बनाए रखने के लिए और इससे संबंधित शिक्षा प्रदान करके अपने देश को एक महान संदेश दिया है, उन्होंने स्वच्छ भारत का सपना देखा और लोगों को भी दिखाया। वह चाहते थे कि भारत के सभी नागरिक एक साथ मिलकर देश को स्वच्छ बनाने के लिए कार्य करें। महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के सपने को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत मिशन को शुरू किया और इस कार्य को सफल बनाने के लिए भारत के नागरिकों से इस अभियान में जुड़ने के लिए अपील की तथा नागरिक भी अत्यधिक मात्रा में इस नेक कार्य में शामिल हुए तथा अपने देश एवं गली मोहल्ले आदि को साफ रखने के लिए पूर्ण प्रयास कर रहे हैं।

आज के समय में लोग सफाई के प्रति अत्यधिक जागरूक होते जा रहे हैं तथा जो लोग जागरुक नहीं है उन्हें नगर निगम टीम के द्वारा जागरूक किया जा रहा है, जैसे गांव के लोग सफाई के प्रति उतने जागरूक नहीं है जितना उनको होना चाहिए, तो कुछ संस्थाएं नगर निगम टीम द्वारा सफाई कार्य के दौरान उन जगहों पर जाकर लोगों को जागरूक करती हैं तथा देश को प्रगति की ओर लेकर जा रही है।

32

मेरे अपने स्वच्छता अनुभव

हर्षित बर्मन : कटनी

स्वच्छता प्रत्येक व्यक्ति के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है, 2 अक्टूबर 2014 को हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा देश की स्वच्छता के लिए एक अभियान चलाया था, जो "स्वच्छ भारत मिशन" के नाम से संचालित किया जा रहा है। जब से स्वच्छ भारत मिशन आया है हमने बहुत सी ऐसी बातों का अनुभव किया है, जो की हमारे जीवन में स्वच्छता के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण हैं।

इस दौरान हमने यह अनुभव किया है कि पहले हमें स्वच्छता के बारे में ज्यादा कुछ पता नही था और कहीं भी कचरा फेंक दिया करते थे, लेकिन जब से स्वच्छ भारत मिशन आया तो हमने यह जाना की गीले, सूखे कचरे को अलग-अलग रखकर कचरा गाड़ी में डालना है और कचरा रीसायकल प्लांट तक कचरा गाड़ी द्वारा पहुंचने लगा है।

जब से हमने स्वच्छ भारत मिशन को ज्वाइन किया है, तबसे हमने यह अनुभव किया कि अपने शहर कटनी में लोगो को स्वच्छता के लिए जागरूक किया जा रहा है और ऐसा भी पाया गया है कि लोग स्वच्छता के प्रति जागरूक हो रहे हैं। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत जो भी बातें बताई गई हैं वह लोग अपने जीवन में अपना रहे है, जैसे की गीले व सूखे कचरे को अलग-अलग कर कचरा गाड़ी में डालना, घर पर कम्पोस्टिंग तैयार करना और शौचालय का उपयोग करना, सेप्टिक टैंक साफ करवाने के लिए टोल फ्री नं.14420 पर कॉल करना। साथ ही बहुत सी बातों का अनुभव किया जो प्रत्येक व्यक्ति द्वारा अपनाया जा रहा है।

33

स्वच्छता से जीवन में अनुभव

सौरभ गर्ग : कटनी

स्वच्छ भारत अभियान जो की हमारे पूरे भारत देश में चल रहा है, इस अभियान से हमें बहुत से अनुभव प्राप्त हुए हैं। स्वच्छ भारत मिशन न केवल एक मिशन है बल्कि हमारे जीवन का एक अमूल्य कर्तव्य है। स्वच्छता सबसे पहले हमसे और हमारे घर से शुरू होती है जिसका अनुभव हमें तब हुआ जब हम स्वच्छता बनाये रखने लगे, क्योंकि जब स्वच्छता मिशन हमारे देश में प्रारंभ नहीं हुआ था तो हर जगह गंदगी और कचरा ही दिखाई पड़ता था, जिससे बहुत बदबू, गंदगी, कचरा व मच्छर जैसे अन्य कीड़े होते थे। जब से स्वच्छता मिशन की शुरुआत हुई है तब से हमने अपने जीवन में स्वच्छता होने से काफी अनुभव प्राप्त किए हैं।

जब इस मिशन का आरंभ हुआ तब से अपने जीवन मे कई अनुभव प्राप्त किए जैसे हमारे घर से कितने प्रकार का कचरा निकलता है, कौन सा कचरा क्या कहलाता है, कौनसे कचरे को किस रंग के कुड़ेदान में डालना है। इसके साथ साथ हमने यह भी अनुभव किया कि हमारे घर से निकलने वाले कचरे का निपटान करने हेतु एक कचरा प्रसंस्करण प्लांट भी है जो शहर के रहवासी क्षेत्र से काफी दूर है, जिससे हम नागरिकों को किसी भी प्रकार की कोई भी बीमारी या अन्य समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता। हमें इस स्वच्छता अभियान से ये भी अनुभव हुआ की हमारे घर के रसोई घर से निकालने वाला कचरा, गीला कचरा होता है जैसे फल सब्जी के छिलके, बचा हुआ खाना, पेड़ों की पत्तियाँ जिनसे हम घर पर ही ऑर्गेनिक खाद बना सकते हैं, खाद बनाने की प्रक्रिया का भी मुझे बहुत अच्छा अनुभव है।

स्वच्छता मिशन से सबसे जरूरी अनुभव मुझे यह भी हुआ की हमारे शहर और भारत को प्लास्टिक मुक्त करना है क्योंकि सिंगल यूज प्लास्टिक हमारे जीवन व प्रकृति और शहर के लिए बहुत हानिकारक है, जिसके काफी दुष्परिणाम् हैं, जब से स्वच्छता मिशन चालू हुआ है तब से हमें अनुभव कराया गया की कौन सा प्लास्टिक इस्तेमाल किया जा सकता है और कौन से प्लास्टिक का नहीं। मेरा अनुभव ये कहता है की 2 अक्टुबर 2014 से स्वच्छता मिशन चालू हुआ है तब से शहर में साफ सफाई बढ़ गई है, गंदगी नहीं रहती एवं सभी अपने घर से निकलने वाले कचरे को पृथक-पृथक करके ही कचरा वाहन में डालते हैं और सबसे बड़ा अनुभव मेरे जीवन का ये है कि स्वच्छता को जब से हमने अपने जीवन में अपनाया है और स्वच्छता के लिए एक कदम बढ़ाया है तब से हमारे जीवन से बीमारियां और अन्य समस्याएं दूर हो गई हैं। मेरा जो अनुभव है उसको देखते और समझते हुए स्वच्छता का अनुभव में अपने साथ साथ अन्य लोगों को भी स्वच्छता का अनुभव करवा रहा हूँ।

34 मेरे अपने स्वच्छता अनुभव

आदर्श जैसवाल स्वच्छ भारत मिशन, कटनी

स्वच्छता हमारे जीवन के लिए उतना ही जरूरी है जितना हमारे लिए हवा और पानी। इसी बात को ध्यान में रखते हुए हमारे देश के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी ने नई दिल्ली में, महात्मा गांधी जी की जयंती पर, 2 अक्टूबर 2014 को भारत देश में *स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत की और सभी देशवासियों को स्वच्छ भारत मिशन अभियान चलाकर स्वच्छता के प्रति जागरूक करवाने का एक मुद्दा उठाया।

माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा चलाए गए इस अभियान को भारत देश के हर प्रदेश, हर जिले में संचालित किया जा रहा है, जिसमें शहर के, गांव के सभी देशवासियों को स्वच्छता हमारे जीवन के लिए कितना उपयोगी और महत्वपूर्ण है, इस हेतु जागरूक किया।

हमारे कटनी शहर में भी स्वच्छ भारत मिशन की शानदार शुरुआत रही। कई वर्षों से कटनी शहर में देखा जा रहा था कि लोग स्वच्छता को बुरा काम समझते थे, साफ-सफाई करने वाले कर्मचारियों को इज्जत नहीं देते थे लेकिन इस अभियान के तहत शहर की शासकीय नगर पालिक निगम द्वारा उन कर्मचारियों को स्वच्छता सम्मान देकर और न्यूज़ चैनलों में न्यूज़ पेपरों में उन सफाई कर्मचारियों को सफाईमित्र का नाम देकर सभी की नजरों में सफाई करने वाले कर्मचारियों का सम्मान बढ़ाकर एक सराहनीय कार्य किया है।

कटनी शहर में स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत संस्था ओम साई विजन, कटनी द्वारा समय-समय पर हर मोहल्ले, हर चौराहा में, हर गलियों में, हर वार्डों में, हर स्कूलों में ,हर दुकानों में, हर होटल में जा जाकर स्वच्छता के प्रति जागरूक किया और इस अभियान के चलते सभी नगरवासी जागरुक होकर स्वच्छता में अपना हाथ बंटा रहे हैं।

मेरे अपने स्वच्छता अनुभव

35

अमर पटेल शहर : कटनी

माननीय नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा चलाया जा रहे स्वच्छ भारत मिशन अभियान से आज हमारा देश और हमारे आस पास साफ सफाई देखने को मिलती है। हम पहले साफ नही रहते थे तो हम ज्यादा बीमार होते थे अब हमने जब साफ सफाई अपनाई तो हम उतने ही स्वस्थ रहते है। ये हमें मानसिक, शारीरिक, समाजिक और बौद्धिक रुप से स्वस्थ रखता है। सभी के साथ मिलकर उठाया गया कदम एक बड़े कदम के रुप में परिवर्तित हो सकता है।

जब एक छोटा बच्चा सफलतापूर्वक चलना, बोलना, दौड़ना सीख सकता है और यदि अभिभावकों द्वारा इसे बढ़ावा दिया जाए, तो बहुत आसानी से स्वच्छता संबंधी आदतों को बचपन में ग्रहण कराया जा सकता है। हम साफ सफाई को लेकर ऐसे बहुत से काम कर रहे हैं जिससे लोग जागरूक हों और अपने आस-पास साफ सफाई बनाये रखें।

कृष्णा कुमार पांडेय शहर : कटनी

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के स्वच्छ भारत अभियान के उद्देश्य को पूरा करने के लिए एक बड़ा कदम हो सकता है हर भारतीय नागरिक का एक छोटा सा कदम। रोजमर्रा के जीवन में हमें अपने बच्चों को साफ-सफाई के महत्व और इसके उद्देश्य को सिखाना चाहिए। अच्छा स्वास्थ्य किसी के जीवन को बेहतर बना सकता है और वह हमें बेहतर तरीके से सोचने और समझने की ताकत प्रदान करता है। अच्छे स्वास्थ्य का मूल मंत्र स्वच्छता है। हमें यह विशेष ध्यान देने की जरूरत है की पहले हमारे द्वारा ही स्वच्छता को बढ़ावा दिया जाए और अपने देश, अपने प्रदेश, अपने शहर को स्वच्छ बनाए रखने में भरपूर सहयोग प्रदान करें।

36 मेरे अपने स्वच्छता अनुभव

हिमांशु चतुर्वेदी स्वच्छ भारत, स्वच्छ कटनी

स्वच्छता एक अच्छी आदत है स्वच्छता कोई काम नहीं जो पैसे कमाने के लिए किया जाए बल्कि एक अच्छी आदत है जिसे हम अपने स्वच्छता और स्वच्छ जीवन के लिए बनाए रखना चाहिए। जिसे जीवन का स्तर बढ़ाने के लिए एक बड़ी जिम्मेदारी के रूप में हर व्यक्ति को अनुसरण करना चाहिए। हमें अपनी व्यक्तिगत स्वच्छता, पालतू जानवरों की स्वच्छता, पर्यावरण की अपने आसपास की स्वच्छता और अपने कार्यस्थल की स्वच्छता आदि करनी चाहिए। हमें पेड़ पौधे को नहीं काटना चाहिए। पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए स्वच्छता कोई कठिन कार्य नहीं है लेकिन हमें इसे शांति पूर्ण तरीके से करना चाहिए। मानसिक, शारीरिक, सामाजिक और बौद्धिक रूप से स्वच्छता बनाए रखने के लिए स्वच्छता बहुत ही जरूरी है।

सभी के सहयोग से एक साथ मिलकर स्वच्छता के क्षेत्र में परिवर्तन लाया जा सकता है जब एक छोटा सा बच्चा सफलता पूर्वक चलना बोलना सीखना है और अभिभावकों द्वारा इसे बढ़ावा दिया जाए तो बहुत ही आसानी से स्वच्छता संबंधित आदतों को बचपन में ग्रहण कराया जा सकता है। माता-पिता अपने बच्चों को चलना सीखाते हैं क्योंकि पूरे जीवन को जीने के लिए बहुत जरूरी है, उन्हें जरूर समझना चाहिए कि स्वच्छता एक स्वच्छ जीवन को जीने के लिए बहुत जरूरी है उन्हें जरूर समझना चाहिए जो स्वच्छता एक स्वस्थ जीवन और लंबी आयु के लिए बहुत जरूरी होता है।......

एक कदम स्वच्छता की ओर.....

37 मेरे अपने स्वच्छता अनुभव

गोविन्द पटेल शहर : कटनी

स्वच्छता का हम सभी के जीवन में बेहद महत्वपूर्ण स्थान है। हम सब जानते हैं कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। मन को स्वस्थ रखने के लिए तन का स्वस्थ होना जरूरी है और स्वच्छता के बिना स्वस्थ रहने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। किसी भी देश की सबसे बड़ी पूंजी वहां के निवासी होते हैं। ऐसे में अपनी सबसे बड़ी पूंजी को बनाए रखने, उसे समृद्ध करने और बढ़ाने के लिए बड़े जतन करने होते हैं।

भारत जैसे देश में स्वच्छ भारत अभियान जैसी पहल की एक लंबे अरसे से जरूरत रही है। भारत की सबसे प्रसिद्ध और महत्वपूर्ण पहलों में से एक स्वच्छ भारत अभियान है। राष्ट्रपिता ने "स्वच्छ भारत" का सपना देखा था, वे चाहते थे कि भारत के सभी नागरिक एक साथ देश को स्वच्छ बनाने के लिए कार्य करें और इस सपने को साकार बनाएं। महात्मा गांधी के स्वच्छ राष्ट्र के दृष्टिकोण के सम्मान में, भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2 अक्टूबर 2014 को इस अभियान की शुरुआत की घोषणा की। उन्हें पूरा भरोसा था कि प्यारे बापू के इस दृष्टिकोण को हर भारतवासी समझेगा और इसमें भरसक योगदान देगा।

महात्मा गांधी ने इस स्वच्छता के महत्व को बहुत पहले ही समझ लिया था। वे कहते थे "स्वच्छता स्वतंत्रता से अधिक जरूरी है।" महात्मा गांधी बेहद सफाई पसंद व्यक्ति थे। आजीवन स्वच्छता के बहुत बड़े पैरोकार थे। यही वजह थी स्वच्छता और सफाईकर्मियों से उन्हें सदैव विशेष प्रेम रहा। उस समय सफाई से जुड़े कार्य करने वाले लोगों को समाज में हेय दृष्टि से देखा जाता था, लोग उनको अछूत मानते थे लेकिन गांधी जी ने उनको हरिजन की संज्ञा दी और समाज में सम्मान वापस दिलाने की कोशिश की।

देश के 14वें प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इसकी जरूरत को गहराई से समझा और 2019 में आने वाली राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर उनको सर्वोत्तम श्रद्धांजलि देने के लिए नई दिल्ली के कर्तव्य पथ (तब राजपथ) पर देशव्यापी स्वच्छता अभियान स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की। स्वच्छ भारत अभियान का उद्देश्य हर परिवार को शौचालय, अपशिष्ट निपटान प्रणाली, गाँवों की स्वच्छता सुनिश्चित करने के साथ ही सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल आपूर्ति जैसी सुविधाएँ मुहैया कराना है। केवल सरकारी तंत्र के बूते स्वच्छ भारत मिशन कभी सफल नहीं हो सकता इसलिए स्वच्छ भारत अभियान को जन अभियान का रूप देने की आवश्यकता थी, सभी देशवासियों की इस अभियान में भागीदारी सुनिश्चित करनी थी। इसके लिए उन्होंने 2 अक्टूबर, 2014 को "न मैं गंदगी करूंगा, न ही करने दूंगा" के मूल मंत्र के साथ अभियान को हरी झंडी दी।

38 मेरे अपने स्वच्छता अनुभव

मनीष सिंह शहर : कटनी

स्वच्छता हमारे जीवन का अभिन्न अंग है और इसे हम बचपन से सीखते आए हैं और उम्र के साथ ये हमारी आदत बन जाती है। हम बचपन से अन्य व्यवहार जैसे बोलना, चलना आदि सीखते हैं ठीक इसी प्रकार हमें सफाई की भी शिक्षा दी जाती है, इसका उदाहरण आप उस छोटे बच्चे से ले सकते हैं, जिसे जब भी शौच जाना हो तो बिस्तर पर करने के बजाए रोने लगता है। हम चाहे जिस उम्र में हों स्वच्छता सदैव हमारे साथ चलती है। और अपने कटनी शहर को नम्बर 1 बनाने मे अपना पूरा सहयोग करना हैं।

हमें जीवन भर स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए। स्वच्छता हमारे स्वस्थ जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है और बिना स्वच्छता के जीवन शायद मुमकिन ही नहीं। क्योंकि गंदगी कीटाणुओं का घर होता है और जो विभिन्न प्रकार की बीमारियों को जन्म देता है। हम बच्चों को शुरु से कुछ अच्छी आदतें सिखाते हैं और अपने वातावरण को भी साफ रखना सिखाते हैं। हमारे शारीरिक स्वच्छता के साथ-साथ आसपास की जगहों की सफाई भी आवश्यक है।

ठीक इसी प्रकार एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते यह हमारा कर्तव्य है कि, हम अपने देश को भी साफ-सुथरा रखें। भारत हमारे घर जैसा है और जैसे हम अपने घर को साफ रखते हैं, वैसे हि हमें अपने देश के बारे में भी सोचना चाहिए। हमारे जीवन में शारीरिक, मानसिक विचारों कि शुद्धि जितनी आवश्यक है उतनी ही आवश्यक है हमारे आस-पास की सफाई। तो एक जिम्मेदार नागरिक बनें और स्वच्छता को अपनाएं। और अपने कटनी शहर को साफ और स्वच्छ रखने में सहयोग करते रहें।

39

मेरे अपने स्वच्छता अनुभव

शशि शाह : कटनी

आज मुझे स्वच्छ भारत मिशन के लिए कार्य करते हुए पूरे 3 वर्ष हो चुके हैं स्वच्छ भारत अभियान कटनी नगर पालिक निगम की सराहनीय कोशिश है, देखा जाए तो अपने आस-पास साफ-सफाई रखना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। अगर सभी को अपनी जिम्मेदारियों का आभास होता, तो इस अभियान की जरूरत ही नहीं पड़ती कितनी शर्मिन्दगी की बात है कि हर कोई अपना घर तो जरूर साफ करता है, लेकिन अपनी सारी गंदगी, कूड़ा-कचरा बाहर गलियों सड़को और चौराहों पर फेंक देते है। ये नहीं सोचते कि पूरा देश ही हमारा घर है इसे भी साफ रखना हमारा ही काम है, कोई पड़ोसी या बाहर का व्यक्ति नहीं आएगा साफ करने इसे हमें ही साफ करना है। मेरा अनुभव यह कहता है कि लोग जागरुक तो होना चाहते हैं लेकिन अपने आसपास का माहौल देखकर जागरूक नहीं हो रहे हैं, मेरा पूरा प्रयास रहता है कि मैं स्थानीय नागरिकों को जागरूक करता रहूं। वर्ष 2014 के पहले लोगों को सूखा और गीला कचरा क्या होता है यह जानकारी तक नहीं थी परंतु अब वह सूखा कचरा एवं गीला कचरा के डिब्बे का कलर तक बता सकते हैं यह बदलाव ही तो है जिसे हमें लाते रहना है।

नरोत्तम बेन : कटनी

स्वच्छ भारत मिशन मेरा अच्छा अनुभव रहा है पहले के समय में लोग यहां वहां कचरा फेंक देते थे लेकिन अब कचरा गाड़ी में ही कचरा डालते हैं। स्वच्छ भारत अभियान से काफी हद तक पहले की अपेक्षा लोग अब जागरूक हुए है, अब लोग अपने घरों का गीला और सूखा कचरा अलग अलग कर ही दे रहे हैं। कुछ लोग तो अपने घरों में होम कम्पोस्टिंग भी कर रहे हैं। टीम मेंबर के रूप में स्वच्छ भारत मिशन में मेरा अनुभव अच्छा रहा है।

40 Cleanliness

Om Prakash Kacher : Jhinjhri Katni

Clean India the dream of a healthy India goes ahead from our homes only when we all keep our homes clean and now with this mission, we can see that streets are cleaner, it is worth saying that –

When all the streets are clean a low locality is clean

When all the neighborhoods are clean a city is clean.

Cleanliness is one of the most important qualities of life it's considered next to Godliness. Cleanliness is defined as the state of bringing clean or the act of keeping things clean which is very important for good health. The sign of good health is cleanliness, and it is very necessary from all points of view that is physically, mentally, and environmentally. **Clean India!**

Amrit Singh (Student), Bhopal

Implementing a ban on single-use plastic in our city has been a transformative experience. The initial adjustment challenged convenience, but the positive impact on the environment is undeniable. From reduced litter to cleaner streets, the ban has prompted a shift in consumer habits towards sustainable alternatives. Local businesses adapted, embracing eco-friendly packaging. While the transition wasn't without hurdles, the collective effort towards a greener city is inspiring. As residents, we've become more conscious of our choices, fostering a sense of responsibility for the well-being of our environment. The ban serves as a beacon for a cleaner, more sustainable future.

41

स्वच्छतम मध्यप्रदेश

अवनी गोयल गायत्री नगर कटनी

भारतीय संस्कृति में स्वच्छता का बहुत महत्व रहा है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में हमारे देश में वर्ष 2014 में स्वच्छता के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया और स्वच्छ भारत मिशन के रूप में विश्व के सबसे बड़े जन आंदोलन की शुरुआत हुई। जिसमें 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले मध्यप्रदेश के 25 शहर देश के 100 सबसे स्वच्छ शहरों में शामिल हैं। वर्ष 2020 के बाद 2021 में भी भोपाल को सर्वोत्तम सेल्फ सस्टेनेबल राजधानी के रूप में पुरुस्कृत किया गया है। मध्यप्रदेश में स्वच्छता के इन प्रयासों को कई लोगों के मार्गदर्शन में जन प्रतिनिधियों, सफाई कर्मियों, अशासकीय संगठनों और आम नागरिकों ने परस्पर सहयोग व सहभागिता का एक अभूतपूर्व उदाहरण प्रस्तुत किया है।

मध्यप्रदेश में स्वच्छ भारत अभियान के चलते स्वछतम मध्यप्रदेश के प्रयास में कई जगह शौचालय निर्मित किए गए हैं साथ ही सॉलिड वेस्ट के निस्तारण में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। स्वच्छता का विषय हर नागरिक के जीवन से सीधा जुड़ा हुआ है, लोगों के दृष्टिकोण में स्वच्छता के प्रति आए सकारात्मक बदलाव का परिणाम साफ सड़कों व अन्य सार्वजनिक स्थानों की साफ-सफाई के रूप में देखा जा सकता है। हमारे आसपास की जगह में भी काफी बदलाव आया है, लोग स्वच्छता का ध्यान रखते हुए कचरा इधर-उधर नहीं डालते। कचरा गाड़ी की भी सुविधा उपलब्ध है। अपने घर, दुकान, आसपास की जगह, गलियों मोहल्ले में भी साफ सफाई का बहुत ध्यान रखते हैं। अगर इसी तरह सभी स्वच्छता का ध्यान रखेंगे तो एक दिन हमारा मध्यप्रदेश व भारत स्वच्छता में सबसे पहले नंबर पर होगा। आओ हम सब मिलकर देश का नाम ऊंचा करें, दूर करें गंदगी सारी स्वच्छ भारत व मध्यप्रदेश का निर्माण करें स्वच्छता हमारा फर्ज है।

42

स्वच्छता का महत्व

सपना रजक : कटनी

हम सब ने यह ठाना है, भारत को स्वच्छ बनाना है।

स्वच्छ भारत अभियान - स्वच्छता का रखना हमेशा ध्यान, तभी तो बनेगा भारत देश महान। हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत हुई जिसका मुख्य उद्देश्य भारत को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाना है। हमारे प्रधानमंत्रीजी द्वारा इस अभियान का शुभारंभ 2 अक्टूबर 2014 में महात्मा गांधी जी के जन्मदिवस के अवसर पर किया गया था और उस समय इसके समापन की तिथि 2 अक्टूबर 2019, गांधी जी की 150वीं जयंती निर्धारित की गई थी। परन्तु इसकी अभूतपूर्व सफलता के परिणामस्वरूप स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के रूप में 02 अक्टूबर 2026 तक बढ़ा दी गई है। स्वच्छता का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है अगर हम स्वच्छ और सुंदर माहौल में न रहें तो हमें गंदगी से अनेक प्रकार की बीमारियां का सामना करना पड़ता है, जिसके लिए हम खुद जिम्मेदार होते हैं। हम सब यही सोचते हैं कि अपने घर और आसपास की सफाई रखें लेकिन सफाई करने के बाद कूड़े कचरे को इधर-उधर फेंक देते जो कि बिल्कुल गलत सोच है। हम ऐसे तो अपने घर साफ रखते हैं, तो क्या यह हमारी जिम्मेदारी नहीं बनती है कि हम अपने देश को भी साफ रखें। कचरे को यहां वहां न डालकर कूड़ेदान में ही डालें।

हमारे प्रधानमंत्री जी ने झाड़ू लगाकर स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की। अभियान का सफल क्रियान्वयन भारत जैसे बड़े क्षेत्रफल वाले देश में अत्यंत कठिन था परंतु हमारे प्रधानमंत्री जी के दृढ़ संकल्प ने गांधी जी के इस सपने को सच कर दिया।

।। दोहा ।।

स्वच्छ कटनी, स्वच्छ मध्य प्रदेश।
आओ फिर एक बदलाव करें।
मध्य प्रदेश का कौना-कौना साफ करें।।
आवाज उठाओ, गदगी मिटाओ।
गंदगी को ना कहें, स्वच्छता को हाँ कहें।।
हम सबको यह बदलना है, साफ सफाई को अपनाना है।
सफाई अपनाये, बीमारियां भगाएं।।
स्वच्छता का कर्म अपना, इसे बनाएं धर्म अपना।
मैंने अपना कर्तव्य निभाया, साफ सफाई को अपनाया।।

43

स्वच्छता का महत्व

इकरा हसन : शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी

भारत भूमि देवों की भूमि है, यह बात बिल्कुल सत्य है लेकिन यह बात भी उतनी सत्य है की जहां साफ सफाई रहती है वहां ही मां लक्ष्मी, मां सरस्वती आदि रमते हैं, बसते हैं और आना पसंद करते हैं।

"सफाई" शब्द अपने अंदर हजारों प्रकार के रूपों को समेटे हुआ है, जैसे हमें अपने शरीर की सफाई के साथ दांत, कान, नाक, त्वचा आदि की सफाई व्यक्तित्व निखारने के लिए अति आवश्यक है, इसके बाद हमें अपने घर की साफ-सफाई, झाड़ू पोंछा, गली-आंगन की सफाई के साथ डस्टबिन का उपयोग करना चाहिए। ठीक उसी प्रकार घर के बाद अपने गली मोहल्ला आदि की सफाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इसके बाद अपना शहर या गांव को अपना घर समझ कर उसकी सफाई करनी चाहिए।

"स्वच्छ भारत अभियान" भारत सरकार की सराहनीय कोशिश है यह अभियान राष्ट्रव्यापी अभियान है। इस अभियान का आगाज महात्मा गांधीजी की 145 वीं जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर 2014 का प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कल कमलों द्वारा किया गया।

हर नागरिक का एक सपना, स्वच्छ बने कटनी अपना।

स्वच्छता का अर्थ घरों के आसपास सड़कों, नालियों, जल स्रोतों, आदि में स्वच्छता रखने से सारा वातावरण स्वच्छ रहता है। अनेक संक्रामक रोग नहीं फैलते, कीटाणु नहीं फैलते, जलवायु उत्तम रहती है। इससे सभी के स्वास्थ्य का स्तर उत्तम बन जाता है। भारत को साफ सुथरा देखना गांधी जी का सपना था। गांधी जी हमेशा लोगों को अपने आसपास साफ सफाई रखने की सलाह देते थे। स्वच्छता एक अच्छी आदत है जो हमारे लिए बहुत जरूरी है। अपने लिए घर, पालतू जानवर, अपने आसपास तालाब, स्कूल, नदी आदि सब की सफाई करना चाहिए। समाज में अच्छे व्यक्तित्व और प्रभाव बनाने में मदद करता है क्योंकि स्वच्छता आपके चरित्र को दिखाता है | स्वच्छता को अपना कर हम भी बन सकते हैं सच्चे देशभक्त।

44

स्वच्छता का महत्व

रणवीर सिंह : कटनी

स्वच्छता एक अच्छी आदत है जो हम सभी के लिए बहुत जरूरी है। हम अपने घर के आसपास, पालतू जानवर, पर्यावरण, तालाब, नदी, स्कूल आदि सहित सब की सफाई करते हैं। हमें सदैव साफ-स्वच्छ और अच्छे कपड़े पहनना चाहिए। यह अच्छे व्यक्तित्व और प्रभाव को बनाने में मदद करता है, क्योंकि यह आपके अच्छे चरित्र को दिखलाता है। हमें हमारे आसपास नदी, तालाब में कचरा नहीं डालना चाहिए। आजकल सभी शहरों में कचरा गाड़ी आती है, जिसमें हमें सूखा कचरा नीले डिब्बे में और गीला कचरा हरे डिब्बे में डालना चाहिए।

स्वच्छता का रखना हमेशा ध्यान।
तभी तो बनेगा हमारा भारत महान।।

स्वच्छता एक आदत :-

स्वच्छता एक अच्छी आदत है जिसे हमें अच्छे स्वास्थ्य और स्वच्छ जीवन के लिए अपनाना चाहिए। यह हमें शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और बौद्धिक रूप से स्वच्छ व स्वस्थ रखती है। हमें साबुन से नहाना चाहिए और अपने साबुन को दूसरों को नहीं देना चाहिए, नाखूनों को काटना चाहिए क्योंकि उसमें मैल जम जाता वहीं हाथ से हम खाना खाते तो नाखून में जमा कीटाणु हमारे पेट में चले जाते हैं, जिससे कई बीमारियां होती हैं साथ ही स्त्री किए हुए कपड़े पहनना चाहिए। ऐसा हमें रोज करना चाहिए।

अपने आप को और अपने घर को कैसे साफ रखना है, यह हमें हमारे माता-पिता से सीखना चाहिए। हमें हमारे आसपास के वातावरण को साफ रखना चाहिए ताकि किसी प्रकार की बीमारी न फैले। कुछ खाने से पहले और खाने के बाद साबुन से हाथ धोना चाहिए। सूखे और गीले कचरे को हमें अलग-अलग नीले और हरे कूड़ेदान में डालना चाहिए। कई अन्य अभियान जैसे निर्मल भारत, बाल स्वच्छता अभियान आदि सबका उद्देश्य भारत में स्वच्छता को बढ़ावा देना है।हमें आसपास के वातावरण को सदैव साफ रखना चाहिए। हमें अपने घर का कचरा यहां-वहां नहीं फेंकना चाहिए यह हमारे लिए बहुत नुकसान दायक है।

जैसे - हमारे घर का कचरा आसपास के नदी, तालाब, नाले-नाली आदि में फेंकने से उत्पन्न मच्छर, मक्खी आदि कीड़े मकोड़े हमारे हाथ मुंह में काटते हैं, जिससे हमें कई प्रकार की बीमारियां हो सकती है जैसे मलेरिया, चिकनगुनिया, पीलिया आदि जो जानलेवा साबित हो सकती हैं।

बदलाव की गाथा

45

श्रृद्धा तिवारी : कटनी

स्वच्छता, स्वस्थ रहने और शांति से जीवन जीने का अच्छा गुण है। इसके लिए घर के बड़े-बुजुर्गों और माता-पिता को अपने बच्चों में इस आदत को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि वे स्वच्छता के महत्व को समझ सकें।

स्वच्छ भारत अभियान माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी द्वारा 2 अक्टूबर 2014 को महात्मा गांधी की 145वीं जयंती पर चलाया गया एक महत्वपूर्ण अभियान है। यह अभियान नई दिल्ली के राजघाट से शुरू किया गया था। यह एक राष्ट्रीय स्तर का अभियान है, जो आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित किया जा रहा है। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत कई योजनाएं शामिल की गई है, जिसमें ग्रामीण/शहरी क्षेत्रों के घरों में शौचालाय निर्माण प्रमुख हैं, जिससे लोग आसपास की स्वच्छता का महत्व समझेंगे और वातावरण को स्वच्छ रखेंगे।

प्लास्टिक मानव जीवन में लगातार जहर घोल रहा है। मानव सुबह से लेकर शाम तक प्लास्टिक का उपयोग करता है। जिसे मानव वरदान की तरह समझता है दरअसल वह पर्यावरण, पशु और हम सभी के लिए बहुत घातक है। प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के लिए तथा आसपास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए पेड़-पौधे लगाना बहुत ही आवश्यक है। अत: प्लास्टिक प्रतिबंध का आह्वान कर कई कड़े कानून बनाए गए। यह भी स्वच्छता के प्रति एक अच्छा सराहनीय कदम है। वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। गंदगी से कई तरह की बीमारियां पैदा होती है जो मानव के विकास में बाधा डालती है। अत: स्वच्छता हमारे जीवन के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। स्वच्छता को अपना कर ही हम बीमारियों को खत्म कर सकते हैं। हमें अपने घर के अलावा आसपास की स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए।

46

बदलाव की गाथा

भाव्या तिवारी : कटनी

पहले के समय में जब लोग स्वच्छता नहीं रखते थे। लोग खुले में शौच करने जाते थे, सब लोग अनजाने में बहुत बड़ी गलती करते थे। जब से स्वच्छ भारत मिशन चालू हुआ है, लोग स्वच्छता के प्रति जागरूक हुए हैं तथा लोग अब खुले में शौच न जाकर सरकार द्वारा घरों में बनवाए गए शौचालयों का इस्तेमाल करने लगे हैं। जिन नागरिकों के पास शौचालय बनवाने की जगह नहीं है वहां पर नगर निगम द्वारा सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण करवाया गया है और उसको नि:शुल्क रखा गया है ताकि बाहर जाकर शौच करने वाला हर व्यक्ति इन शौचालयों का इस्तेमाल करे तथा अपने नगर एवं देश को स्वच्छ बनाए।

पहले के समय में जहां पर लोग स्वच्छता के बारे में कुछ नहीं जानते थे और कहीं भी कचरा फेंक देते थे तथा देश को गंदा करते थे। तब भारत सरकार के द्वारा हर राज्य, जिलों एवं नगरों में नगर निगम की स्थापना की गई, जिसके तहत नगर निगम अपने-अपने नगर को साफ करने में लगी है तथा जब से नगर निगम अपने कार्य कर रही है तब से लोग कचरा रोड पर या बाहर न फेंक कर अपने घरों में या दुकानों में गीला एवं सूखा कचरा रखने के लिए अलग-अलग डिब्बा रखते हैं तथा कचरा गाड़ी द्वारा सभी जगह से वह कचरा इकट्ठा कर ऐसी जगह जहां कचरा इकट्ठा किया जाता है वहां पर जाकर इस कचरे को इकट्ठा किया जाता है और रीसाइक्लिंग की जाती है और अपने देश को स्वच्छ बनाने का कार्य करती है।

पहले के लोग स्वच्छता न रखने के कारण खतरनाक बीमारियों का शिकार हो जाते थे तथा जब से लोग जागरूक हुए हैं वह साफ सफाई रखने लगे हैं तो वह बड़ी-बड़ी बीमारियों से बचते हैं। स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत....

यही नारा हमें आगे लेकर चलना है और अपने आसपास सफाई बनाए रखना है।

47

बदलाव की गाथा

संस्कृति तिवारी : कटनी

जब से स्वच्छ भारत मिशन चायला गया है। हमारे देश और शहर {कटनी} में बहुत से ऐसे बदलाव हुए है जो कि हमारे प्रत्येक व्यक्ति और हमारे पर्यावरण, जीव जंतुओं के लिए महत्वपूर्ण है। जैसे की पहले पॉलीथिन और प्लास्टिक की बॉटल का उपयोग ज्यादातर किया जाता था। यह हमारे स्वास्थ्य और जीव जंतुओं, समुद्री जीवन के लिए बहुत ज्यादा हानिकारक था। लेकिन जब से स्वच्छ भारत मिशन आया है तब से इनका उपयोग काफी हद तक कम हो गया है और कपड़ो के थैले और ऐसी पॉलिथिन का प्रयोग करने लगे है जो जल्द ही नष्ट हो जाता है, और शौचालय का उपयोग किया जाने लगा है, खुले में शौच नही करते लोग। पहले लोग कचरा कहीं भी फेंक दिया करते थे लेकिन अब सभी जगह स्वच्छता के प्रति लोग जागरूक हो चुके है और कचरा गाड़ी में ही अपने घर व दुकान आदि का कचरा अलग-अलग करके देने करने लगे है। अब शहर में सभी जगह स्वच्छता दिखने लगी है। लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता आ गई है।

अब्दुल हलीम : कटनी

कटनी शहरवासियों को अपनी सोच और व्यवहार बदलने की आवश्यकता थी, और इसका श्रेय जाता है स्वच्छता भारत अभियान को, जिसका आग़ाज़ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी ने गांधी जयंती के मौके पर 2014 में किया था। यह स्वच्छ भारत की सफलता ही है कि भारत ने यात्रा और पर्यटन इंडेक्स में 12वें स्थान की छलांग लगाई है। वर्ष 2013 में भारत का स्थान इस इंडेक्स में 65वां था, जो 2015 में यानी स्वच्छता अभियान के बाद 52वां हो गया और अब यह सुधर कर 40वां हो चुका है। अपने कटनी शहर में स्वच्छता के क्षेत्र में काफी बदलाव भी आए हैं, और आने वाले समय में भी बदलाव होगा। पहले हम देखते थे की हमारे आसपास गंदगी फैली रहती थी। अब ऐसा नहीं होता अब हमारे वार्ड व शहर आदि सभी जगह पर साफ सफाई देखने को मिलती है और पहले लोग इतने जागरूक भी नही थे पर अब सभी लोग जागरूक हो चुके है।

48

बदलाव की गाथा

अंशिका गर्ग : कटनी

स्वच्छ भारत अभियान 2 अक्टूबर 2014 को शुरू चालू किया गया था। जब इस अभियान की शुरुआत नहीं हुई थी तब लोग खुले में शौच करते थे, अपने घर से निकालने वाला कचरा अपने ही आस पड़ोस मे फेक देते थे। जिससे काफी गंदगी एवं मच्छर जैसे अन्य कीड़े होते थे। जबसे स्वच्छता मिशन चालू हुआ है, शहरों में कई बदलाव हुए हैं जैसे जिन स्थानों पर लोग कचरा फेंकते थे उन स्थानों पर कूडेदान लगा दिए गए एवं जिन स्थानों पर लोग खुले में शौच करते थे उनकी सुविधा एवं स्वच्छता का ध्यान रखते हुए सार्वजनिक सुलभ शौचालयों का निर्माण करवाया गया। जिससे किसी भी प्रकार की गंदगी न हो और स्वच्छता बनी रहे।

पहले शहर में जगह जगह कचरे के ढ़ेर लगे होते थे, चारो ओर गंदगी दिखाई देती थी पर स्वच्छता मिशन आने से हमने ये बदलाव देखा की अब न तो कही कचरे का ढेर लगा होता है और न ही लोग खुले में कचरा फेकते है। इस स्वच्छता अभियान के आने से लोगो में स्वच्छता के प्रति बदलाव हुए हैं और उन्होंने अपने जीवन में स्वच्छता को अपनाया है और लोगों को स्वच्छता के लिए जागरूक करते हुए उनमें भी बदलाव लाया है।

स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया है, स्वच्छता हमारे जीवन का एक अमूल्य कर्तव्य है, स्वच्छता अभियान चालू होने से प्लास्टिक जैसे हानिकारक पदार्थ पर भी बैन किया गया है और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करते हुए कपड़े के थैले का इस्तेमाल करने के लिए लोगो को जागरूक किया है। एक बड़ा बदलाव यह भी है कि 75 माईक्रोन व 100 माईक्रोन वाले प्लास्टिक का उपयोग करे न की सिंगल यूज प्लास्टिक का इसी तरह धीरे धीरे छोटे छोटे बदलाव से एक दिन पूरे भारत देश में और हमारे शहर में स्वच्छता इतनी ज्यादा बढ़ जाएगी कि किसी भी प्रकार की गंदगी और बीमारिया नहीं होंगी। स्वच्छ भारत अभियान से हमारे जीवन में इसी तरह कई बदलाव हुए हैं और आगे भी स्वच्छता से जुड़े रहने पर हमारे जीवन में इसी तरह कई बड़े और अच्छे बदलाव होते रहेंगे। **स्वच्छ भारत अभियान, स्वच्छ भारत, स्वच्छ कटनी।**

49

बदलाव की गाथा

तेजस्वी गौतम : कटनी

पिछले कई वर्षों से कटनी शहर की स्वच्छता में काफी सुधार हुआ है। लोगों में जागरूकता का विकास हुआ है, जहां लोग अपनी दुकान या घरों का कचरा बाहर फेंकते थे, वहीं पर सहयोगी संस्था टीम द्वारा नागरिकों को जागरूक करके प्रत्येक घरों, दुकानों से कचरा अलग-अलग भागों में डस्टबिन रखने की समझाइस दी गई और इसका पालन भी शहरवासी कर रहे हैं।

इसी प्रकार स्वच्छ भारत मिशन की सहयोगी संस्था ओम साई विजन टीम द्वारा सरकार द्वारा चलाए गए पॉलिथीन बैन पर भी संस्था की टीम हर मार्केट एरिया में, मोहल्ले में, स्कूलों में जाकर पॉलीथिन का नुकसान बता कर लोगों को जागरूक कर रही है और इसकी जगह पर कपड़े या कागज के बने थैले का इस्तेमाल करने की समझाइए दी जा रही, जिससे मार्केट में नागरिकों द्वारा कपड़े के थैलों का उपयोग करने की जागरूकता भी दिखाई दे रही है।

सुबह से लेकर शाम तक हमारी पूरी दिनचर्या में स्वच्छता का होना बहुत जरूरी है, अगर हम स्वच्छ नहीं रहेंगे तो हम स्वस्थ भी नहीं रहेंगे। जैसे कि सुबह उठते हैं तो हम अपने शरीर की सफाई करते हैं, खाना खाते हैं, अपने हाथों की सफाई करते हैं, कहीं जाते हैं तो गंदगी से दूर रहते हैं, यहां तक की अपनी विचार शैलियों में भी हमें शुद्धता लानी होती है। हमारे जीवन में आगे बढ़ने का एकमात्र साधन स्वच्छता ही है, हमें इन बातों को समझना होगा।

कटनी शहर में सहयोगी संस्था ओम साई विजन का कार्य बहुत सराहनीय रहा है, इस संस्था द्वारा कार्य के दौरान स्वच्छता के प्रति सभी नगरवासियों को जागरूक भी किया है और लोगों में स्वच्छता के प्रति बदलाव देखने को भी मिला है। उम्मीद है कि संस्था अपनी स्वच्छता के इन प्रयासों को निरंतर जारी रखेगी। हम भी संस्था के इस विजन को मन में रखते हुए कदम से कदम मिलाकर स्वच्छता के प्रति सभी नागरिकों को जागरूक करेंगे।

स्वच्छता के प्रति मेरा सभी नागरिकों से यही निवेदन है कि आप भी स्वच्छता में अपना हाथ बंटा कर अपने नगर को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने में सहयोग प्रदान करें

स्वच्छ भारत, स्वच्छ कटनी...... धन्यवाद

50 स्वच्छता अनुभव

श्रीमति यशोदा देवी, नगरिया शहर – रीवा

मेरा वार्ड क्रमांक 38 नगरिया की निवासी हूँ। मैं पहले अपने घरो से निकलने वाले सूखे फल और अनुपयोगी सामान को कचरा गाड़ी या कबाड़ी को दे दिया करती थी। फिर हमारे वार्ड में स्वच्छ भारत मिशन में काम करने वाले आईईसी मेंबर वार्ड में लोगों को जागरूक करने आए और उन्होंने बताया की हम अपने घर के अनुपयोगी समान को न फेंक कर, अपने घर में ही पुनः उपयोग कर सकते हैं। जानकारी होने के बाद फिर हमने टायर में पेड़-पौधे उगाना शुरू किए, बॉटल में गमला या कोई भी छोटी चीजों को रख सकते हैं, कुल्हड़ से झूमर भी बना लेते है। जिससे अपने घर का सामान भी उपयोग में आ जाता है और घर भी सुसज्जित और हरा भरा रहता है। इससे पर्यावरण भी स्वच्छ रहता है। इस सीख से मुझे कहावत याद आ गई जो सटीक बैठती है-''आम के आम, गुठलियों के भी दाम''

राजू वर्मा, रीवा

मेरा नाम राजू वर्मा वार्ड क्रमांक 19 का निवासी हूँ। मेरे वार्ड में पहले जागरुकता न होने के कारण खुले स्थान में कचरा फेंक देते थे। लेकिन नगर निगम की टीम द्वारा वहां की सफाई व्यवस्था को देखा, साफ सफाई कराई और लोगों को भी जागरूक किया कि कोई भी खाली स्थान पर कचरा न फेंके। जिससे अब हम अपने घरों का कचरा, कचरा गाड़ी में देने लगे और अपने आस-पास सफाई व्यवस्था बनाए रखने लगे और अब हम सभी पहले से अच्छा महसूस करने लगे हैं। प्रधानमंत्रीजी का स्वच्छ भारत अभियान सफलता की ओर बढ़ रहा है।

बदलाव के गाथा

51

श्री कुलजीत सिंह, भोपाल

गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार पिपलानी भेल भोपाल, जो की 1963 में संगत के सहयोग से स्थापित किया गया था, इस स्थान पर साफ सफाई का केवल ध्यान ही नहीं बल्कि पूर्ण रूप से पालन भी किया जाता है जब भी कोई गुरुद्वारा साहिब में आता है तो उसे पूरा समय अपना सिर ढक कर ही रखना होता है, किसी तरह का नशा करके या नशा लेकर आना गुरुद्वारा परिसर में प्रवेश पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है, गुरुद्वारा प्रांगण एवम् चारों तरफ की सफाई का पूर्ण रूप से ध्यान रखा जाता है, अलग अलग प्रकार के कचरे के लिए अलग अलग प्रकार के कूड़ेदान का इस्तेमाल किया जाता है, गुरुद्वारा के लंगर हॉल की छत के पानी को वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के द्वारा इक्कठा करके बोरिंग में भेजा जाता है, रसोई में साफ सफाई का खास ध्यान रखा जाता है, जिसमें सब्जी, दाल आदि बनाने से पहले अच्छे से साफ करके कई बार धोया जाता है।

खाना बनाने के लिए स्टील एवम् लोहे के बर्तनों के इस्तेमाल पर जोर दिया जाता है, दाल एवम् सब्जी बनाने के लिए बायो फ्यूल वाली भट्टी का इस्तेमाल किया जाता है, खाना खाने के लिए स्टील के ग्लास, थाली, चम्मच, बाल्टी आदि का उपयोग किया जाता है, जरूरत पड़ने पर पत्तों से बनी हुई पत्तल का ही इस्तेमाल किया जाता है, सब्जियों एवम् खाने का जो वेस्ट निकलता है उससे कंपोज्ड (ऑर्गेनिक) खाद गुरुद्वारा साहिब में तैयार किया जाता है एवम् इसका इस्तेमाल गुरुद्वारा साहिब के पेड़ पौधों के लिए किया जाता है, पर्यावरण को बचाने के लिए समय समय पर गुरुद्वारा में वृक्षारोपण भी किया जाता है एवम् संगत को पर्यावरण के लिए जागरूक भी किया जाता है। इसके अलावा गुरुद्वारा साहिब से 2 अक्टूबर 2016 से शव वाहन एवम् जरूरत होने पर शव रखने के लिए फ्रीजर की सेवा भी दी जा रही है, गुरुद्वारा साहिब से रोगियों के लिए एक होम्योपैथिक चिकित्सालय भी पिछले कई वर्षों से संचालित किया जा रहा है।

52

हमारे स्वच्छता के चैंपियन

अमितराव पवार- सीनियर राजबाड़ा, देवास

स्वच्छता का कार्यक्षेत्र बहुत ही विशाल और व्यापक पैमाने पर है। जन्म से मृत्यु तक व्यक्ति के जीवन में स्वच्छता एक महत्वपूर्ण अंग है। हम सबको इसको समझना होगा तथा अपने प्रयास से औरों को भी समझाना होगा। स्वच्छता को नही अपनाने से घरों में कई बीमारियां घर कर जाती है।

स्वच्छ रहे, स्वस्थ रहे के उद्देश्य के साथ मैं पिछले अनेक वर्षो से स्वच्छता पर कार्य कर रहा हूं। इसके अंतर्गत स्कूल, कॉलेज, मोहल्ला और ख़ासतौर पर बस्तियां में जाकर उनके बीच स्वच्छता का संदेश देने के साथ ही नुक्कड़ नाटक के माध्यम से, स्वच्छता के पोस्टर के साथ, बच्चों के बीच खेल-खेल में उन्हें स्वच्छता का पाठ पढ़ाना तथा इसके लिए शपथ दिलाने और स्वच्छता की प्रतियोगिता जैसे अनेक कार्य कर रहा हूं। कैसे हम अपने देश, प्रदेश ओर शहर को सुंदर व स्वच्छ बना सकते। इसके लिए भी अवगत करने के साथ वरिष्ठों से फीडबैक लेते है।

मेरे इस कार्य को देखकर देवास नगर पालिका निगम ने स्वच्छता का ब्रांड एंबेसडर की जिम्मेदारी दी गई है। जो मैं वर्तमान में निभा रहा हूं। मेरे इस कार्य से अनेक लोगो ने स्वच्छता को अपनाया भी है। आप भी मेरे साथ जुड़िये और स्वच्छ भारत के सपनों को साकार कीजिए। नगर पालिक निगम ने स्वच्छता का ब्रांड एंबेसडर की जिम्मेदारी दी गई है। जो मैं वर्तमान में निभा रहा हूं। मेरे इस कार्य से अनेक लोगो ने स्वच्छता को अपनाया भी है। आप भी मेरे साथ जुड़िये और स्वच्छ भारत के सपनों को साकार कीजिए।

बदलाव की गाथा

53

धर्मेन्द पटेल : कटनी

जैसा कि अब हम जानते हैं स्वच्छ भारत मिशन हमारी रोजमर्रा की दिनचर्या का हिस्सा बन चुका है। कटनी शहर में अब प्रत्येक वार्ड में प्रत्येक घर से कचरा संग्रहण के लिए समय-समय पर सफाई गाड़ी आती है। मैं स्वयं पिछले 3 वर्षों से स्वच्छ भारत मिशन के लिए कार्य कर रहा हूं मेरे द्वारा जन-जन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। परंतु सवाल यह आता है क्या वह जागरूक हुए हैं? तो मेरा उत्तर रहेगा हां वह हुए हैं, जहां तक 2014 से पहले लोगों को स्वच्छता की परिभाषा नहीं आती थी आज की दिनांक में स्कूल के एक-एक बच्चे को कूड़े के डस्टबिन के बारे में पता है। यह बदलाव ही तो है जहां तक 2014 से पहले लोग अपने कचरे को झाड़ू लगाकर या प्लास्टिक की थैली में घर के बाहर फेंक देते थे, पर अब वह कचरा गाड़ी का इंतजार करते हैं अपने कचरे का कंपोस्टिंग के तौर पर खुद निपटान करते हैं यह बदलाव ही तो है।

2014 से पहले लोग खुले में शौच जाते थे, परंतु स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत लोगों को खुले में शौच करने के नुकसान के प्रति जागरूक किया गया एवं सरकार द्वारा चलाए गए अभियान के अंतर्गत घर-घर में शौचालय बनाए गए यह बदलाव ही तो है।

सुश्री सोनम सूर्यवंशी : पीथमपुर

निकाय नगर पालिका परिषद, पीथमपुर जिला धार द्वारा वार्ड क्र. ०६ की रहवासी सुश्री सोनम सूर्यवंशी को स्वच्छता चैंपियन घोषित किया गया है। इनके द्वारा वार्ड के रहवासियों के साथ मिलकर स्वच्छता का कार्य किया जाता है। इनके द्वारा निकाय के कर्मचारियों का सहयोग देकर स्वच्छता में श्रमदान का कार्य किया जाता है।

सोनम सूर्यवंशी द्वारा अपनें आसपास के पड़ोसियों के साथ मिलकर आसपास के क्षेत्रों में वृक्षारोपण एवं अन्य कार्य किये जाते हैं, इनके द्वारा निकाय की स्वच्छता संस्था डिवाईन वेस्ट मैनेजमेंट एण्ड सर्विसेस के साथ मिलकर रहवासियों को कचरे के चार प्रकार के विभाजन के बारे में भी जागरूक किया जाता है, साथ ही कचरा वाहन के गली में आते ही इनके द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ मिलकर कचरे के विभाजन के बारे में निरीक्षण कर रहवासियों को कचरे से होनें वाले नुकसानों के बारे में जागरूक किया जाता है।

"स्वच्छ पीथमपुर, स्वस्थ पीथमपुर"

स्वच्छता अनुभव

54

ज्योति सिंह मार्को : कटनी

सभी रोगों की एक दवाई, साफ सफाई, साफ सफाई।
साफ सफाई से जोड़ लो नाता, नहीं तो होगा बहुत बड़ा घाटा।

इंसान हो तो इंसानों वाले कम कीजिए, शहर को स्वच्छ बनाने में योगदान दीजिए।
मेरा शहर साफ हो, इसमें हम सब का हाथ हो।
जब हमारा भारत स्वच्छ होगा, तभी तो हर सपना सच होगा।

मेरा स्वच्छता के क्षेत्र में अनुभव यही कहता है कि हमें अपने घर और आसपास की साफ सफाई रखनी चाहिए। स्वच्छता कोई काम नहीं है जो पैसों के लिए किया जाए बल्कि यह एक अच्छी आदत है जिसे हमें अच्छे स्वास्थ्य व निरोगी जीवन जीने के लिए अपनाना चाहिए।

स्वच्छता एक अच्छे जीवन जीने का स्तर बढ़ाता है। हमें अपनी खुद की स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए। पर्यावरण की स्वच्छता, अपने आसपास की स्वच्छता और अपने कार्य स्थलों की स्वच्छता आदि पर विशेष ध्यान देना चाहिए। अपने आसपास के वातावरण को साफ-स्वच्छ रखना चाहिए, पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए पेड़ लगाना चाहिए। ताकि किसी भी प्रकार की बीमारी न पनपे।

सबसे पहले हमें स्वच्छता अभियान को बढ़ावा देना चाहिए ताकि देश का हर एक नागरिक अपने आसपास स्वच्छता रखें और स्वच्छता रखने से देश के किसी भी नागरिक को कोई बीमारी न हो।

55

बदलाव की गाथाएँ

वंशिका अग्रवाल : मुरार, ग्वालियर

2 अक्टूबर 2014 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने स्वच्छ भारत मिशन की शुरूआत की थी। इस मिशन को सफल बनाने के लिए राज्य के सभी नगर निगम व नागरिक मिलकर सहयोग कर रहे हैं जिससे बदलाव आ रहे हैं। बदलाव की पहली गाथा यह है कि एक समय तक मैं और मेरा परिवार भी पॉलीथीन की थैलियों में ही सामान लाया करते थे। एक बार रास्ते में गाय को थैली फाड़कर उसमें से कागज खाता हुआ देखा, तब बचपन में पढ़ी हुई गाय की कहानी याद आ गई। जिसमें पालीथीन की थैलियों को खाने से तबीयत बिगड़ जाती है। ठीक उसी वक्त मैंने गाय से थैली ली और उसे कूड़ेदान में फेंक दिया।

उस दिन के बाद से मैंने व मेरे परिवार ने पॉलीथीन की थैलियों का इस्तेमाल करना बंद कर दिया। लेकिन सामान लाने में परेशानी हुई। फिर मेरी माँ ने घर पर पुराने कपड़े से थैले बनाए और तब से लेकर आज तक मेरे घर में सामान कपड़े के थैले में ही आता है। पहले अजीब लगता था, लोग हँसते थे। फिर जब लोग पूछते थे तो हम उन्हें समझाते थे व इस प्रयास का परिणाम यह हुआ कि अब मेरे पड़ोसी व रिश्तेदार भी कपड़े के थैलों का उपयोग करने लगे। इसके साथ ही मैंने व मेरे साथियों ने नगर निगम के सहयोग से बस्तियों व दुकानदारों को कपड़े के थैले वितरित किए व उन्हें इनके उपयोग का महत्व समझाया। फलस्वरूप उन्होने अपनी दुकानों से खुद पॉलीथिन की थैलियाँ निकाल दी और ग्राहकों को घर से कपड़े के थैले लाने के लिए बोला व उसमें सामान देना शुरू कर दिया।

नगर निगम के प्रयास से भी समाज में स्वच्छता के लिए लोग जागरूक हुए हैं और बदलाव दिखे हैं। सबसे पहली सफलता की कहानी है, डोर टू डोर कचरा संग्रहण वाहन व्यवस्था। पहले लोग गलियों में, नदियों में, बस्तियों में, अन्य लोगों के घर के सामने कचरा फेंक देते थे लेकिन अब हर शहर के मोहल्लों, गलियों व अन्य इलाकों में प्रतिदिन जाने वाले कचरा संग्रहण वाहन में ही लोग कचरा देते हैं जिससे आसपास कचरे का ढेर नहीं होता और न ही उन पर जीवाणु उत्पन्न होते। इसके साथ ही वाहन में चलने वाला प्रेरणादायक स्वच्छता गीत जिसके बोल के कारण लोग प्रभावित व प्रेरित होते हैं और उन्हें अपने कर्तव्य का स्मरण होता है।

56

स्वच्छता चैंपियन

श्री पंकज परिहार : पीथमपुर

निकाय, नगर पालिका परिषद, पीथमपुर के श्री पंकज परिहार को 'स्वच्छता चैंपियन' घोषित किया गया है। श्री पंकज परिहार द्वारा क्षेत्र अंतर्गत समस्त वार्ड के रहवासियों से प्रतिदिन बात कर स्वच्छता के बारे में जागरूक किया गया। इनके द्वारा वार्ड क्र. ०१ से वार्ड क्र. १५ तक के रहवासियों से प्रतिदिन नगर क्षेत्र में भेंटकर उनकी समस्या का निराकरण किया जाता है, निकाय क्षेत्र के सभी १५ वार्डों में श्री पंकज परिहार द्वारा प्रतिदिन कचरा वाहनों का निरीक्षण कार्य कर कचरे का पृथक्कीकरण एवं निकाय के रहवासियों को प्लास्टिक पांलीथिन के प्रबंधन एवं उपयोग से होने वाले नुकसानों के बारे में जानकारी दी जा रही है।

नागरिकों का सहयोग : श्री पंकज परिहार द्वारा शासन की विभिन्न योजनाओं के साथ जोड़कर उन्हें लाभान्वित करने का कार्य किया जाता है। श्री पंकज परिहार द्वारा वार्ड में उपस्थित रहकर नागरिकों का समूह बनाकर उन्हें स्वच्छता के साथ जोडनें का कार्य किया जाता है, तथा नागरिकों के साथ मिलकर स्वच्छ सर्वेक्षण २०२३ में उत्कृष्ट रैंकिग प्राप्त करने हेतु उन्हें प्रेरित भी किया जा रहा है। श्री पंकज परिहार द्वारा स्वच्छता के क्षेत्र में किए जा रहे सराहनीय कार्य हेतु उन्हें स्वच्छता चैंपियन घोषित किया गया है।

57

स्वच्छता का महत्व

स्नेहा राजपूत : झंझरी महाराणा प्रताप वार्ड, कटनी

मन में रखो एक ही सपना।
स्वच्छ बनाना है भारत अपना।।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वच्छ भारत अभियान 2 अक्टूबर 2014 को महात्मा गांधी की 145 सी जयंती पर चलाया गया एक महत्वपूर्ण अभियान है। यह अभियान दिल्ली के राजघाट से शुरू किया गया था। यह एक राष्ट्रीय स्तर का अभियान है और भारत सरकार द्वारा चलाया जा रहा है। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शहरों को खुले में शौच से मुक्त बनाने हेतु घरों में शौचालयों का निर्माण कराया गया है, जिससे लोग आसपास की स्वच्छता का महत्व समझेंगे और वातावरण को स्वच्छ रखेंगे।

अस्वच्छता से हानियां - जब लोग ऐसे स्थान पर रहते हैं जहां पर चारों तरफ कूड़ा कचरा फैला होता है और नालियों में गंदा पानी और सड़ी हुई वस्तु पड़ी रहती हैं जिसकी वजह से उस क्षेत्र में बदबू उत्पन्न हो जाती है, वहां से गुजरना भी बहुत मुश्किल हो जाता है। ऐसे स्थानों पर रहवासी अनेक प्रकार की संक्रामक बीमारियों से ग्रस्त हो जाते हैं, वहां की गंदगी से जल, थल, वायु आदि पर बहुत ही विपरीत प्रभाव पड़ता है।

देश में स्वच्छता रखना केवल सरकार का ही नहीं अपितु सभी का कर्तव्य होता है। देशवासियों को मिलकर स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाना चाहिए। समाज के सभी सदस्यों को आसपास की सफाई में अपना योगदान देना चाहिए। नदियों तालाबों झीलों और झरनों के पानी में गंदगी को धोने से रोकने के लिए सभी को अपना योगदान देना चाहिए। सरकार को भी वायु से मिलने वाले तत्वों की प्रक्रिया पर रोक लगानी चाहिए। हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाकर वायु को शुद्ध करना चाहिए। मनुष्य में स्वच्छता का विचार उत्पन्न करने के लिए शिक्षा का प्रचार करना चाहिए। शिक्षा पाने से ही मनुष्य खुद स्वच्छता के प्रति जागरूक हो जाता है। स्वच्छता ही उत्तम स्वास्थ्य का मूल होता है।

उठा लो झाड़ू उठा लो पोंछा, पहुचो जहां कोई भी ना पहुंचा।
कोई जगह न रहने पाए, हर जगह को हम चमकाए।।
सपना यही है बस अपना, सफाई को है अपनाना।
भारत को साफ बनाना है, भारत को स्वच्छ बनाना है।

58

स्वच्छता अनुभव

दुर्गा साहू : कटनी

नारे/दोहा

स्वच्छ कटनी, स्वच्छ मध्यप्रदेश।
आओ फिर एक बदलाव करें।

मध्य प्रदेश का कोना-कोना साफ करें।।
आवाज उठाओ, गंदगी मिटाओ।

गंदगी को ना कहें, स्वच्छता को हां कहें।
हम सबको यह है बतलाना है, साफ सफाई को अपनाना है।

सफाई अपनाएं, बीमारियां भगाए।
स्वच्छता का कर्म अपनाओ, इसे अपना धर्म बनाओ।
मैंने अपना कर्तव्य निभाया, साफ सफाई को अपनाया।

स्वच्छ भारत अभियान।
स्वच्छता का रखना हमेशा ध्यान।
तभी तो बनेगा भारत महान।।

59

स्वच्छता गीत

आशवी जैन : भोपाल

स्वच्छ रहे सर संसार
स्वच्छता ही है निरोगी जीवन का आधार
हम सबका है संदेश
स्वस्थ रहे हमारा संदेश
स्वच्छता लाए समृद्धि पाए
अपने भोपाल को स्वस्थ बनाए
स्वच्छ जीवनशैली अपनाए
अपने जीवन को सुखी बनाए

वंशिका वशिष्ठ : इंदौर

अपना मध्यप्रदेश ......

स्वच्छता के सुर गुंजन करते, बदल रहा परिवेश।
पुण्य धरा ये गर्व हमारा, अपना मध्यप्रदेश।।
हर एक जगह अब स्वच्छ है देखो, स्वच्छ अपना परिवेश।
स्वच्छता के शिखर पर बैठा, अपना मध्यप्रदेश।।
हर एक जगह है साफ़ सुथरी, पर्यटन है विशेष।
अंगतुकों को लुभा रहा है, अपना मध्यप्रदेश।।
जन-जन अब तो जागरूक है, ज़िम्मेदारी अशेष।
फिर से नंबर वन बनेगा, अपना मध्यप्रदेश।।
"वंशिका" ये कहती सबसे, पृथक करो अवशेष।
पर्यावरण के प्रति हमारी, ज़िम्मेदारी विशेष।।
स्वच्छता के सुर गुंजन करते, बदल रहा परिवेश।
पुण्य धरा ये गर्व हमारा, अपना मध्यप्रदेश।।

60

स्वच्छता गीत

विवेक जगताप : धरमपुरी

"स्वच्छता चहुँओर हो".......

जनजागरण की भोर हो, स्वच्छता चहुँओर हो।
स्वच्छता का दे रहा संदेश है, साफ-स्वच्छ मेरा मध्यप्रदेश है।।
सर्वत्र स्वच्छता पर ही जोर हो..,
स्वच्छता चहुँओर हो.., स्वच्छता चहुँओर हो...
घर रखेंगे साफ हम, गन्दगी को न करेंगे माफ हम।
हो उपयोग डस्टबिन का, नित्य नियम हो हर दिन का।।
स्वच्छता का सतत यही अब दौर हो..
स्वच्छता चहुँओर हो.. स्वच्छता चहुँओर हो...
जब स्वच्छता अपनाएंगे हम, रोगों को दूर भगाएंगे हम।
स्वच्छता की जहां हो तैयारियां, जन्म न ले वहां कई बीमारियां।।
इस तथ्य पर भी गहन गंभीर गौर हो..
स्वच्छता चहुँओर हो.. स्वच्छता चहुँओर हो...
मच्छरों को जन्म दे गंदगी, मुश्किल हो जाती फिर ज़िंदगी।
मच्छरों को पनपने नहीं देना है, साफ-सफाई से ही काम लेना है।।
मच्छरों का अब कहीं ना शोर हो..
स्वच्छता चहुँओर हो.. स्वच्छता चहुँओर हो...
स्वच्छता का प्रण जन-जन में हो, अमिट संकल्प यह हर मन में हो।
घर-बाहर सर्वत्र साफ रखेंगे हम, कचरा-गंदगी न होने देंगे हम।।
गंदगी का अब ना कोई ठौर हो..
स्वच्छता चहुँओर हो.. स्वच्छता चहुँओर हो...

61

स्वच्छता गीत

हदिया : नीलबड़, भोपाल

चलो स्वछता को अपनाए जीवन खुशियों से भर जाएं,
गंदगी को दूर भगाएं, हम सब साफ़ सफ़ाई का पर्व मनाएं।

कचरे को कहीं ना फैलाएं, प्रकृति के संग खिलखिलाएं,
स्वच्छता का संकल्प ले, जीवन को नई राह दिखाएं।

घर से लेकर गली के नुक्कड़ तक, सदा सफाई का संकेत दे,
गंदगी को मिटाकर, हर कोने में खुशहाली लाएं।

साफ-सफाई का ध्यान रखें, हर कदम पर साथ चलें,
गंदगी को हम मिटाएं, स्वच्छता का संदेश फैलाएं।

स्वच्छता का महत्व समझाएं, जहां भी जाएं यही जोत जलाएं,
हम सब मिलकर भविष्य को अपने सुंदर बनाएं।

62

स्वच्छता कविता

स्रोतोष्णी रॉय : कटनी

मेरे अपने स्वच्छता अनुभव पर आधारित कविता –

आओ मिलकर एक कदम उठाए।
स्वच्छता पर ध्यान लगाए।।
साफ सफाई को रखो ध्यान।
तब बनेगा भारत महान।।
डालो कूड़ा कूड़ेदान में।
रखो स्वच्छता ध्यान में।।
आओ मिलकर एक कदम उठाए।
स्वच्छता पर एक ध्यान लगाए।।
कोई जगह न रहने पास।
हर जगह की हम चमकाएं।।
सपना यही है बस अपना।
स्वच्छता को अपनाना है।।
आओ हम सब साफ करें।
भारत का हर स्थान।।
भारत को स्वच्छ बनाना है।
भारत को स्वच्छ बनाना है।।

स्वच्छता गीत

ज़ाकिर हुसैन "अमि" : सनावद

स्वच्छता जब एक आदत हो जाये,
तो धरती पर बड़ी बरकत हो जाये।
मूल्य समझ लें हम पर्यावरण का जो,
तो आदमी की अच्छी कीमत हो जाये।

जैसे को तैसा (कविता) ......

प्रकृति की सजी दुकानों से मैं घुटन ख़रीद बैठा,
अपनी सांसों के लिए, ठगा गया या छला गया,
ऐसा भी नहीं मैं ख़ुद ही प्रयोग करना चाहता था,
जीतना चाहता था, अर्थ शास्त्र की दृष्टि से, या लूटना चाहता था,
अपने ही जैसे मोहरों से वाह-वाही, ख़ुद को महान बताकर,
न पर्यावरण का ध्यान रखा, न स्वच्छता का।
अब ज़हरीला वातावरण सांसों को, हौले-हौले कुम्हला रहा है,
ईश्वर भी अब सौदागर जैसा बर्ताव कर रहा है,
वो ये चीजें वापस करने को, अब तैयार नहीं,
मैं तो कई मजबूरियां बता रहा हूं, उसे मना रहा हूं,
बदले में मुझे ताज़गी का तेल दे दे, संतुलन का साबुन दे दे,
वो कहता है, वो ज़माना गया, ये चीज़ें अब नहीं मिलती
अब नया युग तुम्हें ही गढ़ना है,
जो पाना है तो बोओ वैसा,
मैं तो देता हूं जैसे को तैसा....

64 स्वच्छता जिंगल

सेव्या नागर : उज्जैन

तर्ज : मेरा भाई तू मेरी जान है....

तुझे साफ रखने के लिए दुनिया को बताना है,
हर घर से कचरे को कूड़ेदान में डलवाना है ,

तेरी इन गलियों को साफ अब बनाना है,
तेरी इस स्वच्छता को मैंने अपना माना है,

स्वच्छ रहे, सुंदर रहे, यह इरादा स्वच्छता का,
स्वच्छ रहे, सुंदर रहे, यह नजारा स्वच्छता का,

बस स्वच्छ रहे तू तो...
इच्छा है मेरी यही, उज्जैन तू मेरी शान है

उज्जैन तू मेरी जान है
उज्जैन तूअअअ उज्जैन तूअअअ, उज्जैन तूअअअ उज्जैन तूअअअ

65

स्वच्छता दोहे

आकाश गुप्ता : खरगौन

दीप जले तो मिटे अंधेरा, रोशन होता जग सारा।
स्वच्छता का दीप जलाकर, मिटा दो गंदगी का अंधियारा।।
स्वच्छ गांव हो स्वच्छ शहर हो, स्वच्छ होता मध्यप्रदेश।
स्वच्छ होते इन राज्यों से, उज्जवल होता भारत देश।।
आजादी के लिए उठाकर, बढ़ाना होंगे हमे कदम।
रोक न पाए कोई हमको, रुक ना पाएंगे अब हम।।
युग निर्माण का भरकर दम, कदम से कदम मिलाकर चले हम।
रोक ना पाए कोई हमको, हाथ बढ़ा कर चलेंगे हम।।
युग निर्माण का भरकर दम, कदम से कदम मिलाकर चले हम।
मुश्किल हो या हो अंधेरा, या हो विपदाओ ने घेरा।
लेकर संकल्प बढ़ेंगे हम, कदम से कदम मिलाकर चले हम।।
युग निर्माण का भरकर दम, कदम से कदम मिलाकर चले हम।
लक्ष्य अटल हो एक इरादा, मंजिल से फिर किया है वादा।
वादों को पूरा करने हम, कदम से कदम मिलाकर चले हम।।
युग निर्माण का भरकर दम, कदम से कदम मिलाकर चले हम।
अंकुर अभियान से वृक्ष लगाएं, हो नशा मुक्ति स्वस्थ जीवन पाए।
स्वच्छता की ओर बढ़ाए कदम, युग निर्माण का भरकर दम।।
रोक ना पाए कोई हमको, कदम से कदम मिलाकर चले हम।

66 स्वच्छता गीत

न्यासा भाटिया : सतना

"स्वच्छता में नम्बर वन आना है।
हम सबको कदम बढ़ाना है।।
सबको संदेश बताना है।
स्वच्छता की अलख जगाना है।।

घर - आंगन और हर कोने को।
हमको स्वच्छ बनाना है।।
हर बीमारी दूर भगाना है।
और स्वच्छता को अपनाना है।।

मिलकर हाथ बढ़ाना है।
देश को स्वच्छ बनाना है।।
गंदगी दूर भगाना है।
कचरे पर झाड़ू चलाना है।।

हमको नम्बर वन आना है।
स्वच्छता का नारा लगाना है।।
स्वच्छ - स्वस्थ ये देश रहे।
हमें स्वच्छता को अपनाना है।।"

67 स्वच्छता कविता

अमित कु. सिंह : रीवा

स्वच्छता पर कविता

रीवा का हाथ, स्वच्छता के साथ

शहर में न होती थी कभी सफाई, सब कहते थें नगर निगम है या इसकी रुसवाई है,
आज वो कहते है, स्वच्छ भारत मिशन लाया जिंदगी में सफाई ही सफाई है।
लोग जहाँ अपना कचरा उठाने में समझते थे अपना अपमान,
आज लोगों का कचरा उठाने में समझते हैं अपना सम्मान।
तब सोचा नहीं था घर-2, गली-2, मोहल्ला-2 होगी कभी सफाई,
आज स्वच्छ भारत मिशन ने कर दी इसकी भरपाई।
कभी उठता करता था सफाई के लिए एक हाथ नगर निगम रीवा के साथ,
अब तो है रीवा का हर हाथ, स्वच्छता के साथ।
कचरे में सोचा करते थे जीवन तो नरक है,
आज तो ऐसा लगता है, कचरे से क़यामत है।
रीवा क्लस्टर ने बनाना शुरू किया गीले कचरे से खाद,
सूखे कचरे को न होने दिया बर्बाद,
अब बनाएगी सूखे कचरे से बिजली, होगा रीवा संभाग अब आबाद।
कचरे से क़यामत तक की सिखाई नई जिंदगी है,
सुन्दर गली, सड़क, पार्क, नदी, तालाब - वाह ! क्या जिन्दगी है.।
सबने कहा था नगर है या नरक निगम,
आज सब कहते है - सत्यम, शिवम, सुन्दरम।
जी हाँ, स्वच्छतम मध्यप्रदेशम, स्वच्छतम मध्यप्रदेशम।।

68

स्वच्छता गीत

अशोक पांडे

शीशे जैसा चम-चम चमके मध्यप्रदेश हमारा।
स्वच्छता के दीपक से है घर-घर पर उजियारा।।
स्वच्छ है सड़के स्वच्छ हैं गलियां स्वच्छ खेत खलिहान।
स्वच्छ रेलवे बस स्टैंड है स्वच्छ घर और मकान।।
स्वच्छता में अव्वल आता अपना प्रदेश है प्यारा।

शीशे जैसा चम चम चमके मध्यप्रदेश हमारा।।
दर दर है शौचालय मूत्रालय हो रहा उपयोग।
मां बहनो का सम्मान बढ़ा कम हुए संचारी रोग।।
हरे नीले कूड़ेदान में अब कचरे का बंटवारा।
शीशे जैसा चम चमके मध्य प्रदेश हमारा।।

आता कचरा वाहन निसदिन होत भिनसार
हाट बाज़ारों में सुगम हुआ कचरे का निस्तार
पन्नी पाउच प्लास्टिक से हम सब ने किया किनारा
शीशे जैसा चम चमके मध्य प्रदेश हमारा।

आओ अपने मध्य प्रदेश के लोग स्वछतम प्रदेश बनाएं
स्वच्छता में मध्य प्रदेश को नंबर वन पर लाएं
स्वच्छता ही सेवा है यह हो संकल्प हमारा
शीशे जैसा चमचम चमके मध्य प्रदेश हमारा।

69

स्वच्छता गीत

प्रियांशी सोनी : कटनी

कचरे का हो एक स्थान।
घर से बाहर कूड़ा दान।।

बंद शौचालय का करो प्रयोग।
दूर भागेगा घर से रोग।।

गंदगी लाती है बीमारी।
जिससे जीवन में आती है लाचारी।।

स्वच्छता को अपनाओगे।
स्वर्ग सा सुख पाओगे।।

स्वच्छ देश स्वच्छ देश।
सबका हो स्वच्छ परिवेश।।

70 स्वच्छता गीत

लेखक : देवेन्द्रजी भदोरिया, रतलाम

गायक : नवीन जी गंधर्व, मल्हारगढ़

निर्देशक : निकुंज जी भट्ट, नामली

स्वच्छ भारत............. स्वच्छ नामली............. स्वच्छता अभियान की.............
शहर गली गोकुल की होटल में चर्चा है अभियान की...............
नामली नं. 1 .... नामली नं. 1 ....
नामली नं. 1 .... नामली नं. 1 .... (2)

अंतरा बोल = (1)

नगर परिषद नामली में, सफाई टोली मित्रों की........... (2)
आओ देशवासियों, नामली नगर के वासियों............. (2)
तुम्हें बुलाएं तुम्हें सुनाएं, महिमा कचरा दान की,
बिना प्रबंधन बीमारी फैले, जो दुश्मन है जान की.................
नामली नं. 1 .... नामली नं. 1 .... (2)
उचित प्रबंधन खाद बनाता, करता मदद किसान की। (2)
शहर गली चंचल की होटल में चर्चा है अभियान की। (2)
बिना प्रबंधन बीमारी फैले, जो दुश्मन है जान की.................
तुम्हें बुलाएं तुम्हें सुनाएं, महिमा कचरा दान की..... (2)
नामली नं. 1 .... नामली नं. 1 .... (2)

अंतरा बोल = (2)

स्वच्छ भारत............. स्वच्छ नामली............. स्वच्छता अभियान की.............
शहर गली गोकुल की होटल में चर्चा है अभियान की...............
नामली नं. 1 .... नामली नं. 1 ....
नामली नं. 1 .... नामली नं. 1 ....

71

स्वच्छता जिंगल

सतीश चंद शाह : नौगई, जिला सिंगरौली

ना फेंको कचरा भैया, ना फेंको तुम कचरा भैया|
अपने गली मोहल्ले में, उससे होवें गंभीर बीमारियाँ।।
जो खाए पल भर में, कचरा सड़ने के बाद।
आए जो कड़क सुगंध, एक बार नाक से जाए।।
छप्पन भोग भी लगे दुर्गंध।

नाली में फेंका तो, बाद में पछताएंगे।
बरसात के मौसम में, घर में डुबकियां लगाएंगे।।

सबसे अच्छा भैया, कचरा गाड़ी मे फेंको कचरा।
शहर की सफाई के साथ, परिवार होगा स्वस्थ्य अपना।।

मिला है मौका
मिला है मौका हम सबको, कर्तव्य करके दिखलाने का।
अपने शहर को साफ करके, नम्बर एक पर लाने का।।

कितना पैसा कमा लो, कुछ काम नही आएगा।
अगर स्वच्छता बनी रही, तभी शरीर स्वस्थ्य रह पाएगा।।

बादलो के गरजने से बरसात कहां होती है।
सिर्फ मुंह से कहने से स्वच्छता नही होती है।।

अब तो हम सबको मिलकर के कदम बढ़ाना है।
अपने इस मध्यप्रदेश को स्वच्छ और सुंदर बनाना है।।

72

स्वच्छता कविता

आशीष जैन : नीलबड़, भोपाल

शीशे जैसा चम चम चमके मध्यप्रदेश हमारा।
स्वच्छता के दीपक से है घर-घर पर उजियारा।।
स्वच्छ है सड़के, स्वच्छ हैं गलियां, स्वच्छ खेत खलिहान।
स्वच्छ रेलवे बस स्टैंड हैं, स्वच्छ घर और मकान।।

स्वच्छता में अव्वल आता अपना प्रदेश है प्यारा।
शीशे जैसा चम चम चमके मध्यप्रदेश हमारा।।
दर दर है शौचालय मूत्रालय हो रहा उपयोग।
मां बहनों का सम्मान बढ़ा कम हुए संचारी रोग।।

हरे नीले कूड़ेदान में अब कचरे का बंटवारा।
शीशे जैसा चम चमके मध्य प्रदेश हमारा।।
आता कचरा वाहन निसदिन होते भिनसार।
हाट बाजारों में सुगम हुआ कचरे का निस्तार।।

पन्नी, पाउच, प्लास्टिक से हम सब ने किया किनारा।
शीशे जैसा चम चमके मध्य प्रदेश हमारा।।
आओ अपने मध्यप्रदेश के लोगों स्वछतम प्रदेश बनाएं।
स्वच्छता में मध्यप्रदेश को नंबर वन पर लाएं।।

स्वच्छता ही सेवा है यह है संकल्प हमारा।
शीशे जैसा चमचम चमके मध्यप्रदेश हमारा।।

73

स्वच्छता कविता

अनन्या तिवारी : कटनी

आओ मिलकर एक कदम उठाए।
स्वच्छता पर एक ध्यान लगाए।।

साफ सफाई का रखोगे ध्यान।
तब बनेगा भारत महान।।

आओ मिलकर कदम बढ़ाए।
स्वच्छता पर ध्यान लगाए।।

चलो करो एक वादा।
स्वच्छता से है फायदा।।

डालो पूरा कचरा कूड़ेदान में,
आओ मिलकर एक कदम उठाए।
स्वच्छता पर ध्यान लगाए।।

प्राची गुप्ता , जबलपुर

बापूजी सिखवा गए सभ्यता ग्राफ।
घर हो चाहे देश हो रखना पूरे साफ।।

घर आंगन किचन दिखे करें लक्ष्मी वास।
कूड़ा करकट से लगे सुंदर घर बकवास।।

सुनो माता स्वच्छता के देख कर तुम कान।
साफ सफाई में मिली भारत को पहचान।।

साफ दिल को अगर घर आंगन सा मान।
जन-जन का होगा तभी पूर्णतया कल्याण।।

साथी रे हाथ में हाथ मिलाना।
गंदगी को दूर भारत से है भगाना।।

74

स्वच्छता कविता

नयी दिशा: स्वच्छता की ओर, देवांश डोभाल

स्वच्छ भारत का अभियान महान,
हर घर-आंगन में गूंज रहा है ये गान।
शहरों की रौनक हो या गांव का ठिकाना,
स्वच्छता का अधिकार है, हर किसी को है पाना।
मध्य प्रदेश, चमकता यह सितारा,
स्वच्छता मिशन पहुंचा है, हर गली हर चौबारा।
गांवों से लेकर, शहरों की धुन,
शौचालय बने हैं, लाए हैं सबमें खुशियाँ फुन।
खुले में शौच, अब बीता हुआ दौर,
स्वच्छता का गान गूंज रहा है चारों ओर।
व्यवहार बदलना, मिशन का है सार,
स्वच्छता आदत बन जाए, हर घर, हर बार।
चुनौतियां बाकी हैं, हौसला बुलंद है,
स्थायित्व की ज्वाला, राह में जलती प्रचंड है।
कचरा प्रबंधन, जरूरी अब काम,
स्वच्छ भविष्य, स्वस्थ्य जीवन का धाम।
स्वच्छ सर्वेक्षण, सम्मान दिलाता,
मध्य प्रदेश स्वछतम राज्य कहलाता।
स्वच्छता सिर्फ मिशन न हो जाए,
यह जीवन का धर्म बन जाए, हर पल हर जगह छाए।
हाथ मिलाकर, शपथ लेते हैं हम,
स्वच्छता का दीप जलाएंगे हम।
स्वच्छ भारत का सपना सजाएंगे,
स्वच्छता का वादा निभाएंगे।

स्वच्छता कविता

75

सतेन्द्र तिवारी : बड़वानी

सफाईमित्र पर कविता

रोज रोज सवेरे दस्तक देता,
झोले में हम से कचरा लेता।
फिर गली-गली वह साफ करता,
किसी से कुछ खाता ना पीता।
बस कचरा दे दो कि आवाज देता,
कचरा लेकर सिर्फ मुस्कान देता।
कितना अच्छा मित्र मिला हमको,
मक्खी मच्छर सब भागे लगी न बीमारी कोई हमको।
आओ उसके हालातों को जाने,
उसके अपने हक को माने।
वह कुछ न लेता मांग कर सिर्फ पानी पीता,
तंगदस्ती में चलता घर उसका।
ब्याज भर भर सर से ऊपर का कर्ज उसका,
अब सबको फर्ज निभाना है उसका।
दुख दर्द दूर करना है उसका।।

76

स्वच्छता पर नारे

प्रभात कोरी

मन में रखो एक ही सपना, स्वच्छ बनाना है भारत अपना।
अक्टूबर का दिवस हमारा, स्वच्छता अभियान का गूंजे नारा।।
स्वच्छता को अपनाओ, समाज में खुशियां लाओ।
सभी रोगों की बस एक ही दवाई, घर में रखो साफ सफाई।।
स्वच्छता है एक बड़ा अभियान, आप भी दे अपना योगदान।
गांधी जी का था यही इरादा, स्वच्छ ही देश हमारा।।
मन में रखो एक ही सपना, स्वच्छ बनाना है भारत अपना।
स्वच्छता ही सेवा है, गंदगी जान लेवा है।।
जहां है सफाई, वही है पढ़ाई।
देश तभी साफ होगा, जब स्वच्छता में सबका हाथ होगा।।

मयंक विश्वकर्मा

मेरा प्यारा मध्य प्रदेश।
विश्व को देता शांति का संदेश।।
यहां हिंदू मुसलमानों की होती होली।
पहचान हमारी विविधता और भाषा बोली।।
कहते इन बातों का प्रवेश।
यहां उज्जैन और अमरकंटक का विशेष।।
प्रकृति ने दिया इस वरदान।
पचमढ़ी और सांची स्तूप महान।
चित्रकूट में राम ने काटा वनवास।
आज यहां चारों और हरियाली और विकास।।
उद्योगों ने फैलाया जाल।
मैहर में शारदा देवी और उज्जैन में महाकाल।
किसानों ने दिलाया इससे कृषि कर्मठ पुरस्कार।
मध्य प्रदेश में तेज विकास की रफ्तार।।

77

स्वच्छता कविता

अनामिका त्रिपाठी

स्वच्छता से संपन्न, जीना चाहे लंबा जीवन।
थामो स्वच्छता का दमन।।
स्वास्थ्य की पहली सीढ़ी, स्वच्छता है बेहद जरूरी।
धरती, जल, आकाश, स्वच्छ, जिएंगे हम जीवन स्वस्थ।।
स्वस्थ तन शांत मन, शांत मन रचनात्मक हम।
कल्पनाओं का क्रियान्वयन, हम समृद्ध भारत संपन्न।।

दोहे

बनी स्वच्छता दूत तुम करो जागरण खूब।
नवल चेतन की अनामिका आगे निरंतर डूब।।
अंधकार पलता वहां जहां स्वच्छता लोप।
जागे सारा देश अब हो विलुप्त सबको कोप।।
मन स्वच्छ होगा तभी जब स्वच्छ परिवेश।
नव स्वच्छ रच रही नव समाज नव देश।।
है स्वच्छता सोच एक शौचालय अभियान।
शौचालय हर हर बने तब बांधो बहू का मान।।

स्वच्छता से बदलाव

एक अच्छी स्वच्छता सेवा का संबंध नागरिकों को सुरक्षित तेजल उपलब्ध कराने से है इसमें कण को प्रदूषित होने से बचाव के लिए उन्हें अलग करना शहर के बाहर से पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करना और निवासियों तक पानी पहुंचाने के लिए पाइपों का एक सुरक्षित नेटवर्क विकसित करना शामिल हो सकता है।

78

स्वच्छता कविता

शगुन मिश्रा : कटनी

दोहे

मन में रखो एक ही सपना।
स्वच्छ बनाना है भारत अपना।।
स्वच्छता को अपनाओ।
समाज में खुशियां लाओ।।

प्रांजल कुशवाहा : कटनी

धन्य वही जो स्वच्छता को देता आयाम।
सुलभ केंद्र अब बन गया जैसे तीरथ धाम।।
स्वच्छ भारत अभियान के जनक संत गाडगे बाबा हैं।

कविता

स्वच्छ भारत के सपने को सबको मिलकर पूरा करना है।
देश की प्रगति हो तो अब हम सभी को सुनिश्चित करना है।।
माना की मंजिल बहुत दूर है, फिर भी हिम्मत में आगे बढ़ाना है।
स्वच्छ भारत अभियान हर 5 में को मनाया जाता है।।

शायरी

देशभक्ति केवल नहीं देने से बलिदान।
स्वच्छ बनाए हिंद को यह भी कम महान।।

नारा

स्वच्छता ही सेवा है,
गंदगी जानलेवा है।

79

स्वच्छता कविता

माधवी अमूले

आओ हम सब मिलकर, एक सबसे सुंदर समाज बनाएं।
स्वच्छ सुंदर बनाएं इस धरती को, वातावरण को शुद्ध बनाएं।।
कूड़ा फेक कूड़ेदान में, इधर-उधर न ढेर लगाएं।
गंदगी को दूर भगाकर, अपने घर को स्वच्छ बनाएं।।
वायु को प्रदूषित न होने दें, आओ इसको शुद्ध बनाएं।
एक नया संकल्प उठाकर, हर दिन नए पेड़ लगाएं।।
स्वच्छ रहेगा जब हर घर, तभी तो स्वच्छ समाज होगा।
तभी विकसित होगी नहीं मानसिकता, जिसकी करते हैं हम सब कल्पनाएं।
सभी रोगों की एक दवाई, घर में रखो साफ सफाई।।

दीक्षा गुप्ता : कटनी

आईए साफ रखें हम सभी सार्वजनिक स्थान।
सैलानियों के लिए है प्रदेश की पहचान।।
अगर हम करें एकजुट होकर हर काम।
तो हो सकता है कूड़े का निदान।।
होगी अगर घर-घर में स्वच्छता।
तो हो सकता है समूचा विकास।।
रचेंगे अब एक नया स्वर्णिम इतिहास।
सफाई के इस अभियान में।।
कर गर्वित हर मानव की सोच।
इस देश में नया बदलाव लाना है।।
चलो युवा अब कुछ नया करके दिखाना है।

80

स्वच्छता दोहे

केशव कोरी : कटनी

आओ मिलकर पर पेड़ लगाएं।
हमारी प्रकृति को और सुंदर बनाएं।।
यह है एक समझदार नागरिक की जिम्मेदारी।
हरी भरी रहे सदैव पृथ्वी हमारी।।
यह होगा अब से हमारा नारा।
स्वच्छ और सुंदर रहे देश हमारा।।
साफ सफाई कर रखेंगे खास ख्याल।
स्वच्छ रहेगी बच्चा बुजुर्ग और जवान।
न आएगी बीमारी आस पास।
न जाएगी किसी की जान।।
जब बनेगा भारत स्वच्छ, जब हम रखेंगे प्रकृति का ख्याल।।

स्वच्छता पर कविता

हम सबने अपना कर्तव्य निभाया।
साफ-सफाई को अपनाया।।
भारत स्वच्छता मिशन है महा अभियान।
स्वच्छता में दीजिए अपना योगदान।।
गंदगी से है हमारा घाटा।
स्वच्छता से जोड़ो अपना नाता।।
देश का अपमान न करें।
कूड़ेदान का उपयोग करें।।

81

पर्यावरण/स्वच्छता पर कविता

आराध्य तिवारी : कटनी

रक्षा करो प्रकृति सौंदर्य की।
पेड़ पौधों को मत करो चीर।।
जलवायु की हिफाजत करो सब।
प्रकृति को बचाओ यही है हमारा काम।।
प्लास्टिक का अब करो त्याग।
वायुमंडल में हो गैसों का संरक्षण।।
हम सभी का कर्तव्य है।
प्राकृतिक सौंदर्य का रक्षण।।

स्वच्छता

सफाई की महत्ता हम सभी जाने।
स्वच्छ रहना हमें सिखाएं।।
घरों में रखना साफ सफाई।
यही है हमारा निरंतर आदर्श।।
अपने आसपास को साफ रखो।
यह संकेत है स्वच्छता का प्यार।।
सफाई का महत्व जागरूक रहो।
हर कदम पर स्वच्छ भविष्य संकट।।

82 स्वच्छता कविता

पार्थ सोनी : कटनी

कविता

आओ मिलकर संकल्प ले हम सब, देश को स्वच्छ बनाएंगे।
अपने स्वच्छ इरादों से भारत को स्वर्ग बनाएंगे।।
आच्छादित करने वसुंधरा को हरित चुनरिया लाएंगे।
रोपेंगे पौधों की क्यारी श्यामल धारा बनाएंगे।।
शीतल मंद सुगंध भरी सौंदर्य पवन से लाएंगे।
बंद करो अब ऐंसे ईंधन जो नित जहर उगलते हैं।
धरती माता के सीने में अंगारों से जलते हैं।।
आओ मिलकर संकल्प लें हम सब देश को स्वच्छता बनाएंगे।
स्वच्छ बनाएंगे अपने साथी भारत को स्वर्ग बनाएंगे।।

सोनाली साहू : कटनी

आओ मिलकर एक कदम उठाए।
स्वच्छता पर एक ध्यान लगाए।।
साफ सफाई कर रखोगे ध्यान।
तब बनेगा भारत महान।।
आओ मिलकर कदम बढ़ाएं।
स्वच्छता पर ध्यान लगाएं।।
चलो करो एक वादा।
स्वच्छता से है फायदा।।
डालो कचरा कूड़ेदान में।
रखो स्वच्छता ध्यान में।।

83

स्वच्छता अनुभव

रीतेश तिवारी : समाजसेवी इंदौर

इंदौर ने लगातार सातवीं बार देश के सबसे स्वच्छ शहर का खिताब अपने नाम किया है। इंदौर को साफ बनाने में वहां के लोगों के साथ-साथ नगर निगम की भूमिका भी बड़ी है। जनभागीदारी की वजह से इंदौर निरंतर यह खिताब अपने नाम करता जा रहा है। सतत ही नगर निगम और शहर के जनप्रतिनिधि स्वच्छता को लेकर अभियान चलाते रहते हैं। इंदौर के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है।

इंदौर की सफाई प्रणाली को देखने आज दूसरे राज्यों एवं देश विदेशो से भी लोग एवं प्रतिनिधि मंडल शोध के लिए आते हैं। साथ ही यह अध्ययन भी करते हैं कि इंदौर कैसे इन सारी चीजों के मानकों को बनाए रखता है। इंदौर की सबसे अहम बात यह है कि शहर से निकले वाले कचरे से भी गैस बनाया जाता है। उसी गैस से शहर में सीएनजी बसों का परिचालन होता है। कचरे से गैस बनाने के लिए इंदौर में एशिया का सबसे बड़ा प्लांट है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। इंदौर के साथ-साथ मध्य प्रदेश को भी स्वच्छता सर्वेक्षण में अच्छा प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में सेकंड रैंक मिला है। यह प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि है। प्रदेश के दूसरे शहरों की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है।देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता सर्वेक्षण में सातवीं बार इंदौर के प्रथम आने पर मध्यप्रदेश और इंदौरवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इंदौरवासियों ने फिर यह सिद्ध कर दिया है कि स्वच्छता न सिर्फ उनकी आदत बन चुकी है, बल्कि अब उनकी सोच में भी स्वच्छता ही है। स्वच्छता की इस सबसे बड़ी उपलब्धि पर मैं समस्त प्रदेशवासियों और स्वच्छता के कार्य में लगी पूरी टीम, स्थानीय जनप्रतिनिधियों को बधाई देता हूं। अपील करता हूं कि स्वच्छता के लिए आपका यह जुनून कभी कम न हो।

स्वच्छता चैंपियन

84

श्री प्रभात सिंह : पीथमपुर

नगर पालिका पीथमपुर के वार्ड क्र. 16 से वार्ड क्र. 31 तक स्वच्छता के क्षेत्र में सराहनीय योगदान देने हेतु श्री प्रभात सिंह को निकाय का "स्वच्छ सर्वेक्षण 2023" अंतर्गत स्वच्छता चैंपियन घोषित किया जाता है। इनके द्वारा संबंधित वार्डों में कार्य के उपरांत वृक्षारोपण, महिलाओं के समूह द्वारा वार्ड में स्वच्छता, नागरिको को आपस में सामूहिक रूप से जोड़कर उन्हें स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का कार्य किया जाता है।

श्री प्रभात सिंह द्वारा निकाय के विभिन्न मार्गों, चौराहों एवं उद्यानों के रखरखाव का कार्य कर उन्हें विभिन्न प्रकार से स्वच्छ रखने हेतु गतिविधियों का आयोजन किया जाता है, इनके द्वारा वार्ड में कहीं भी होनें वाले कार्यक्रमों को प्लास्टिक डिस्पोजल मुक्त कार्यक्रम के रूप में पूर्ण करनें का कार्य किया जाता है। श्री प्रभात सिंह द्वारा वार्ड में नगर पालिका के पशुदल के साथ मिलकर आवारा भटकनें वाले पशुओं को पकड़वाकर निकाय को आवारा पशु मुक्त बनानें का कार्य किया जाता है।

निकाय नगर पालिका परिषद, पीथमपुर द्वारा श्री प्रभात सिंह को निकाय का स्वच्छता चैंपियन घोषित किया गया है। निकाय द्वारा आशा की जाती है कि उनके द्वारा भविष्य में भी इसी प्रकार से स्वच्छता के आयामों में कार्य किया जाएगा।

"स्वच्छ पीथमपुर, स्वस्थ पीथमपुर"

85

Social Media expert

Bhopal

Shri Parminder Singh

Madhya Pradesh has made commendable strides in promoting sanitation practices, with a concerted effort from the government and various stakeholders. Initiatives like the Swachh Bharat Abhiyan have played a pivotal role in transforming the sanitation landscape. The focus has been on constructing toilets, ensuring waste management, and eradicating open defecation. The state's communities have actively embraced these practices, leading to a noticeable reduction in open defecation and improved sanitation infrastructure.

The Government has collaborated with local bodies and non-governmental organizations to effectively implement sanitation programs. Educational campaigns have been instrumental in instigating behavioral changes, and encouraging communities to adopt hygienic practices. Government measures include the construction of community toilets, waste segregation, and the promotion of proper waste disposal. These initiatives aim to create a clean and healthy living environment, consequently reducing the prevalence of waterborne diseases and enhancing overall public health. Despite these achievements, challenges persist, necessitating sustained efforts. Continuous awareness campaigns, community involvement, and technological interventions are crucial for the long-term success of sanitation programs. Looking ahead, the future of sustainable sanitation in Madhya Pradesh involves leveraging digital platforms to bolster the cause. Implementing smart technologies for waste treatment, monitoring, and recycling can significantly enhance efficiency. Digital platforms can aid in real-time monitoring of sanitation infrastructure, ensuring timely maintenance and addressing issues promptly. Furthermore, a shift towards digital platforms can streamline communication and data collection, enabling evidence-based decision-making. Mobile applications can be developed to disseminate information, provide sanitation-related services, and engage communities actively. Promoting research and innovation in sanitation technologies, incentivizing private sector participation, and integrating digital solutions will be pivotal for the success of future sanitation projects. Madhya Pradesh's journey towards sustainable sanitation requires a holistic approach that combines technological innovation, community engagement, and effective governance, with digital platforms acting as catalysts for positive change.

मिशन संचालक
श्री शिवम वर्मा

उपमिशन संचालक
श्री हिमांशु कुमार सिंह

सहायक संचालक
सुश्री बबीता मरकाम

संपादन
संजीव परसाई, टीम लीडर
श्री परमिंदर सिंह
महेश कौशिक
मनमोहन धाकड़

आकल्पन
रोमिल जैन, देवांश डोभाल

संकलन
अभिषेक जैन, हिमांशु शुक्ला, जीतेन्द्र गुज्जर वाडिया, सुबोध कार्णिक, अभिनय गर्ग, निशांत भान, पुष्पेंद्र शर्मा, राहुल त्रिपाठी, जान्हवी दुबे, सुशील कनाठे, अनिल कुमार, प्रमीत चौपड़ा , श्री नरेंद्र वर्मा, तिरूमाला कुमार, कंकेश्वर कनकराज, स्वाति चौहान, धीरेंद्र दुबे, सज्जन सिंह, अक्षय मेश्राम, अतुल खरे, पराग सोमवंशी, अक्षय जोशी, सुवम सार्थक, परेश जिंदल, आशना राठौर, गरिमा गोस्वामी, अंजली मुखर्जी, कार्तिकेय तिवारी, ऐश्वर्य तिवारी, सौरभ सिंह, सुमित सिंह, अंकुश मिश्रा

सहयोग
मुकेश बड़ेसरे, जयंत कातुरे

स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) मध्यप्रदेश का प्रयास